RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 119 ता. 01 नवम्बर 2021, सोमवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जलवायु वार्ता में निकलेगी डेढ़ डिग्री पर बढ़ने की राह? बड़े लक्ष्य का ऐलान कर सकता है भारत

नई दिल्ली। ब्रिटेन के ग्लास्गो में रविवार से शुरू होने जा रही जलवायु वार्ता कॉप-26 में यदि कार्बन उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य तय नहीं होते हैं तो इससे भविष्य में विश्व के समक्ष जलवायु संकट बढ़ सकता है। जिस प्रकार से दुनिया के तमाम देश अपनी सुविधानुसार अलग-अलग किस्म के लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं, उसके चलते सबसे बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि क्या इस सम्मेलन से डेढ़ डिग्री की राह पर चलने का रास्ता निकलेगा? आईपीसीसी की छठी रिपोर्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग को काबू करने के लिए मौजूदा प्रयास नाकाफी हैं। वे दो डिग्री या उससे ज्यादा वृद्धि की ओर अग्रसर हैं। जबकि रिपोर्ट यह कहती है कि दुनिया को बड़े जलवायु खतरों से बचने के लिए तापमान वृद्धि डेढ़ डिग्री तक सीमित रखनी होगी। लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी देशों को नए सिरे से कार्बन उत्सर्जन में कमी के अपने लक्ष्यों को निर्धारित करना होगा।

नेट जीरो उत्सर्जन पर बनेगी बात?

अध्ययन यह संकेत करते हैं कि यदि 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा जाए तो तापमान बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक सीमित करना संभव हो सकता है। लेकिन यह लक्ष्य इतना आसान नहीं है। हालांकि अमेरिका, चीन समेत 39 देश इस लक्ष्य का ऐलान कर चुके हैं। सम्मेलन में कुछ और देश इसका ऐलान कर सकते हैं। भारत और अन्य देशों पर भी इस सम्मेलन में नेट जीरो के ऐलान करने का दबाव है लेकिन विकासशील देशों के लिए इतना कठिन लक्ष्य निर्धारित करना आसान नहीं होगा। इसलिए एक सहमति यह बन सकती है कि विकसित देश नेट जीरो के लक्ष्य घोषित करें और विकासशील देश अपने उत्सर्जन के पूर्व घोषित लक्ष्यों को और बढ़ाएं। जबकि गरीब देशों को अपनी इच्छानुसार कदम उठाने की छूट दी जा सकती है।

पीएम मोदी बोले-

सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे, एकजुट होने पर लक्ष्य होगा पूरा

गांधीनगर। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ ही इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सरदार पटेल को याद किया। पीएम ने कहा कि सरदार पटेल ना केवल इतिहास बल्कि सभी भारतीयों के दिलों में बसते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे, एकजुट होने पर लक्ष्य पूरा होगा।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित की है। आज गृह मंत्री इस मौके पर केवड़िया में सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित 182 मीटर ऊंची प्रतिमा के पास राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल हुए हैं। शाह कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। इस खास मौके पर परेड भी आयोजित हुई। अपने संबोधन में पीएम ने आगे कहा कि सरदार पटेल हमेशा मजबूत, समावेशी, संवेदनशील भारत चाहते थे। हमारा लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब हम एकजुट रहें।

- पीएम ने कहा कि बीते वर्षों में जो अनेक रिफॉर्म किए गए हैं उनका सामूहिक परिणाम है कि भारत निवेश का एक आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। आगे कहा कि आजाद भारत के निर्माण में सबका प्रयास जितना तब प्रासंगिक था, उससे कहीं अधिक आजादी के इस अमृतकाल में होने वाला है। आजादी का ये अमृतकाल, विकास की अभूतपूर्व गति का है, कठिन लक्ष्यों को हासिल

करने का है। ये अमृतकाल सरदार साहब के सपनों के भारत के नवनिर्माण का है।

- इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 7 वर्षों में देश ने दशकों पुराने अवांछित कानूनों से मुक्ति पाई है। राष्ट्रीय एकता को संजोने वाले आदर्शों को नई ऊंचाई दी है। जम्मू-कश्मीर हो, पूर्वोत्तर हो या हिमालय का कोई गांव आज सभी प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं।

- इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें ये याद रखना है कि नाव में बैठे हर मुसाफिर को नाव का ध्यान रखना ही होता है। हम एक रहेंगे तभी आगे बढ़ पाएंगे, देश अपने लक्ष्यों को तभी प्राप्त कर पाएगा। इसके साथ ही आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सिर्फ एक भौगोलिक इकाई नहीं है बल्कि आदर्शों, संकल्पनाओं, सभ्यता, संस्कृति के उदार मानकों से परिपूर्ण राष्ट्र है। धरती के जिस भूभाग पर हम 130 करोड़ से अधिक भारतीय रहते हैं वो हमारी आत्मा, सपनों, आकांक्षाओं का अखंड हिस्सा है। अमित शाह ने कहा कि आज सरदार पटेल की जन्म जयंती है। मैं पूरे देश में करोड़ों देशवासियों को बताना चाहता हूं- सदियों में कभी कोई एक ही सरदार बन पाता है, वो एक सरदार सदियों तक अलख जगाता है।

सरदार पटेल को देश आज कर रहा याद, राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने किया नमन-इस दौरान अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का विशेष महत्व है। आज का राष्ट्रीय एकता दिवस आजादी का अमृत महोत्सव का दिन है। आजादी के बाद अंग्रेजों ने जाते समय देश को कई टुकड़ों में बंटने की साजिश रची थी, लेकिन सरदार पटेल ने उस साजिश को नाकाम किया और अखंड भारत बनाने का संकल्प लिया। गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में सशस्त्र सीमा बल ने वुशू मार्शल आर्ट का भी प्रदर्शन किया।

-बता दें कि इस कार्यक्रम में अमित शाह के अलावा भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ,जल, थल, वायुसेना के अधिकारी, ओलंपिक, एशियन व विविध खेलों में मेडल विजेता खिलाड़ियों के साथ पुलिस अधिकारी-कर्मचारी भी शिरकत कर रहे हैं।

बीजेपी को लगातार झटके दे रहीं दीदी, आज राजीब बनर्जी टीएमसी में करेंगे वापसी

नई दिल्ली। बंगाल में बीजेपी को एक और बड़ा झटका लगने जा रहा है। इसी साल ममता सरकार में मंत्रीपद छोड़कर बीजेपी का दामन थामने वाले राजीब बनर्जी आज टीएमसी में वापसी करने वाले हैं। लंबे वक्त से उनकी वापसी की अटकलें लगाई जा रही थी। अब खबर है कि पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी की त्रिपुरा रैली के दौरान राजीब बनर्जी टीएमसी जॉइन करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, राजीब बनर्जी आज त्रिपुरा में होने वाली अभिषेक बनर्जी की रैली के दौरान टीएमसी में शामिल होंगे। राजीब बनर्जी इसी साल बीजेपी में शामिल हुए थे। वह पिछली बंगाल सरकार में मंत्री थे और इस्तीफा देकर उन्होंने बीजेपी जॉइन की थी। हालांकि, बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की प्रचंड

जीत के बाद से ही राजीब बनर्जी के सुर बदल गए थे। उन्होंने खुलकर बीजेपी की नीतियों का विरोध करना शुरू कर दिया था और बीजेपी की बैठकों से भी दूरी बना ली थी, जिसके बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि बनर्जी टीएमसी में वापसी कर सकते हैं। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2011 और 2016 में लगातार दो बार दोमजुर विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, ममता के साथ रिश्तों में आई कड़वाहट के बीच राजीव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 से ठीक पहले 29 जनवरी 2021 को टीएमसी छोड़ी दी थी।

मानसिक परेशानी से हर कोई अलग तरह से लड़ता है.. एक तराजू में न तौलें, ऐसा कहकर रद्द कर दिया हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आत्महत्या करने वालों को कमजोर दिल नहीं मानना चाहिए। हर व्यक्ति बिगड़े मानसिक स्वास्थ्य से अपनी तरह से लड़ता है, सभी को एक तराजू में तौलकर उनकी पीड़ा कमतर नहीं आंकनी चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने इसके साथ ही खुदकुशी के लिए उकसाने में एफआईआर खारिज करने के कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने इस मामले में आरोपी सरकारी अधिकारी पर दर्ज एफआईआर यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि मृतक ड्राइवर था, सड़क हादसों में लोगों को मरते, अपाहिज होते देखता था, कमजोर दिल नहीं था। दोस्तों-रिश्तेदारों से बातचीत करता था। यह सब सामान्य व्यक्ति के व्यवहार हैं, किसी गंभीर तनाव से गुजर रहे व्यक्ति के नहीं। मामले को जारी रखना न्याय का उपहास होगा। आरोपी को लंबी सुनवाई से गुजरना होगा। इसके खिलाफ अपील मंजूर करते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा, हाईकोर्ट ने सुनवाई के बजाय धारणा के अनुसार कार्रवाई की। सुनवाई में आरोपों की सच्चाई जाननी चाहिए थी। पर, जांच भी रोक दी गई। यह अपने क्षेत्राधिकार का उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट-सभी को एक सांचे में फिट नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट यह मान कर चला कि सामान्य तौर पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं? आत्महत्या करने का फैसला करने वाले व्यक्ति को 'कमजोर' करार दिया, लेकिन इस पारंपरिक सोच को व्यवहार विज्ञानी खारिज करते हैं कि 'सभी मनुष्य एक जैसा व्यवहार करते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, व्यक्तित्वों में फर्क होता है। इसी से लोगों का अलग व्यवहार तय होता है। कोई व्यक्ति मानसिक या शारीरिक संकट से कैसे निपटता है, प्रेम, दुख, हानि, खुशी-कैसे अभिव्यक्त करता है, यह मानव मन व मस्तिष्क के अलग-अलग पहलू तय करते हैं। सब एक सांचे में फिट नहीं हो सकते।

शीर्ष अदालत ने कहा-यह कहना कि अवसाद या तनाव में व्यक्ति को कैसा व्यवहार करना चाहिए था, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की गंभीरता को कम आंकना है।

काला धन ड्राइवर से करवाता था सफेद-इस मामले में आरोप है कि बंगलूरू का भूमि अधिग्रहण अधिकारी अपने ड्राइवर के बैंक खाते व फोन नंबर का उपयोग कर काला धन सफेद करता था। मना करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने 12 पेज का सुसाइड नोट लिख खुदकुशी कर ली। आत्महत्या के लिए उकसाने में अधिकारी गिरफ्तार हुआ। बाद में बेल मिल गई। 29 मई 2020 को हाईकोर्ट ने एफआईआर भी रद्द कर दी।

राकेश टिकैत की केंद्र को चेतावनी

किसानों को जबरन बॉर्डरों से हटाया तो देशभर में सरकारी दफ्तरों को गल्ला मंडी बना देंगे

नई दिल्ली। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों को लेकर गतिरोध अब भी बरकरार है। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने रविवार को केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि अगर किसानों को बॉर्डरों से जबरन हटाने की कोशिश हुई तो वे देशभर में सरकारी दफ्तरों को गल्ला मंडी बना देंगे। टिकैत ने कहा कि हमें पता चला है कि प्रशासन जेसीबी की मदद से यहां टेंट को गिराने की कोशिश कर रहा है, अगर वे ऐसा करते हैं तो किसान पुलिस थानों, डीएम कार्यालयों में अपने टेंट लगाएंगे। टिकैत ने शनिवार को कहा था कि ललितपुर में एक और किसान रघुवीर पटेल ने खाद न मिलने से दुखी होकर आत्महत्या कर ली। केंद्र व राज्य सरकार किसानों को आत्महत्या के अंधे कुएं में धकेल रही है। सरकार हठधर्मिता छोड़े, वरना संघर्ष और तेज होगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने टीकरी बॉर्डर पर बैरिकेड हटाने और दिल्ली-हरियाणा मार्ग के एक रास्ते को खोले जाने के बाद शनिवार को कहा कि अगर केंद्र को पूरी तरह से रास्ते खोलने हैं तो उसे कृषि कानूनों पर किसानों की मांग को पूरा करने के लिए बातचीत का रास्ता भी खोलना चाहिए। केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने कहा कि किसानों ने कभी सड़कों को अवरुद्ध नहीं किया। शनिवार को 11 महीने बाद प्राधिकारों ने टीकरी सीमा पर लगे बैरिकेड हटाने के बाद दिल्ली से हरियाणा जाने वाली सड़क का एक मार्ग खोल दिया।

दिहाड़ी मजदूर ने आठ साल पहले किया था आवेदन, अब तक नहीं मिला राशन कार्ड, नाराज हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने एक दैनिक वेतनभोगी मजदूर को आठ वर्ष पूर्व आवेदन करने के बावजूद राशन कार्ड जारी न करने पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब तलब किया है। दरअसल दिल्ली सरकार ने अदालत को बताया कि केंद्रीय अथारिटी द्वारा तय राशन कार्ड जारी करने की सीमा तय करने के कारण राशन कार्ड जारी नहीं किया जा रहा क्योंकि तय सीमा के तहत कार्ड जारी किए जा चुके है।

न्यायमूर्ति रेखा पल्ली के समक्ष पेश दिल्ली सरकार ने बताया कि 2011 की जनगणना के आधार पर केंद्र ने 72 लाख राशन कार्डों की सीमा तय की है जो पूरी हो चुकी है। अदालत एक दैनिक वेतनभोगी मजदूर की याचिका पर सुनवाई कर रही है

जिसने अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम के साथ राशन कार्ड जारी करने का अनुरोध किया है। अदालत ने इस महीने की शुरुआत में दिल्ली सरकार से पूछा था कि दैनिक वेतनभोगी मजदूर को राशन कार्ड जारी करने के लिए आवेदन आठ साल से क्यों लंबित है दिल्ली सरकार के अधिवक्ता गौतम नायर ने अदालत को बताया कि इस मामले में दिल्ली सरकार व अन्य एजेंसियों की कोई गलती नहीं है और केंद्र सरकार द्वारा तय सीमा का उल्लंघन कर ज्यादा राशन कार्ड जारी नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार ही जवाब दे सकती है। अदालत ने उनके तर्क को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पूरी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए पांच जनवरी 2022 की तारीख तय की है। याची ने कहा कि उसने सितंबर 2013 को अपने व परिवार के नाम पर राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया था।

वह दक्षिणी दिल्ली की झुग्गी में रहती है और उसके पति के नाम पर 2005 में राशन कार्ड जारी किया गया था लेकिन 2013 में उसे रद्द कर दिया गया। अधिकारियों को बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद अब नए सिरे से राशन कार्ड जारी नहीं किया जा रहा। कार्ड के अभाव में उन्हें सस्ती दरों का राशन नहीं मिल पा रहा और यह उनके अधिकारों का हनन है।

दिवाली व छठ के लिए रेलवे ने शुरू की 15 स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली। त्यौहार पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 15 स्पेशल ट्रेन शुरू करने का ऐलान किया है। दिवाली और छठ पर यात्रियों को इससे काफी सुविधा होगी। ये गाड़ियां यात्रियों को कंफर्म टिकट उपलब्ध कराने में मददगार होंगी। कोरोना के चलते ट्रेनों में वेटिंग टिकट पर यात्रा पर रोक है। इससे बचने के लिए रेलवे हर दिन नई-नई गाड़ियां शुरू कर रहा है। इसी कड़ी में 15 स्पेशल ट्रेन शुरू हो रही हैं जो भागलपुर, दरभंगा, जोगबनी, सहरसा आदि स्टेशनों के लिए खुलेंगी। वापसी में ये ट्रेनें बिहार के इस स्टेशनों से दिल्ली पहुंचेंगी।

भागलपुर-आनंद विहार त्योहार विशेष एक्सप्रेस

03759/03760 भागलपुर-आनंद विहार त्योहार विशेष एक्सप्रेस ट्रेन 1 नवंबर से शुरू हो रही है। भागलपुर से हर सोमवार को और आनंद विहार से हर मंगलवार को यह ट्रेन चलेगी। भागलपुर से 9 बजे चलकर अगले दिन 11.05 में आनंद विहार पहुंचेगी। वहीं आनंद विहार से 18.15 बजे खुलकर अगले दिन 19.40 बदे भागलपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन सुलतनागंज, जमालपुर, अभयपुर, किऊल, पटना, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं, वाराणसी, सुलतानपुर जं, लखनऊ और मुरादाबाद स्टेशन पर रुकेगी. इस ट्रेन में 2 टियर, 3 टियर एसी और स्लीपर के साथ आरक्षित सेकंड क्लास के डिब्बे होंगे।

दिल्ली जंक्शन-दरभंगा जंक्शन त्योहार विशेष एक्सप्रेस

06996/06995 दिल्ली जंक्शन-दरभंगा जंक्शन त्योहार विशेष एक्सप्रेस ट्रेन के 4 फेरे चलेंगे। यह ट्रेन दिल्ली से रात को 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.30 बजे दरभंग पहुंचेगी। 06996 दिल्ली जंक्शन से और 06995 दरभंगा से शुक्रवार और सोमवार को चलेगी। यह ट्रेन मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल और सीतामढ़ी स्टेशनों पर रुकेगी। इसमें द्वितीय श्रेणी के आरक्षित डिब्बे होंगे।

नई दिल्ली-जोगबनी नई दिल्ली त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस

02500/02499 नई दिल्ली-जोगबनी नई दिल्ली त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन के दो फेरे चलेंगे। नई दिल्ली से यह ट्रेन 11.05 में प्रस्थान करेगी और अगले दिन 6 बजे जोगबनी पहुंचेगी। जोगबनी से यह ट्रेन रात 9 बजे चलेगी और नई दिल्ली शाम 4 बजे पहुंचेगी। नई दिल्ली से यह ट्रेन शुक्रवार को और जोगबनी से शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन मुरादाबाद, आजमगढ़, मऊ, बलिया, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, नवगछिया, कटिहार और पूर्णिया जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी. इसमें सभी डिब्बे द्वितीय श्रेणी आरक्षित होंगे।

दिल्ली जंक्शन-सहरसा जंक्शन-दिल्ली जंक्शन त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस

04986/04985 दिल्ली जंक्शन-सहरसा जंक्शन-दिल्ली जंक्शन त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी के 2 फेरे चलेंगे। दिल्ली से यह ट्रेन 15.30 में खुलकर अगले दिन 17.00 बजे सहरसा पहुंचेगी। सहरसा से 19.00 प्रस्थान कर यह ट्रेन 19.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी. दिल्ली से शुक्रवार को और सहरसा से शनिवार को ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया और बख्तियारपुर जंक्शन पर रुकेगी. इसमें सभी डिब्बे द्वितीय श्रेणी के आरक्षित होंगे।

सरहिंद-सहरसा-अंबाला छावनी त्योहार स्पेशल

04598/04597 सरहिंद-सहरसा-अंबाला छावनी त्योहार स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी के 6 फेरे चलेंगे। सरहिंद से 12.10 बजे और सहरसा से 20.30 में यह ट्रेन चलेगी। सरहिंद से शुक्रवार, शनिवार, रविवार (5,6, 7 नवंबर) को और सहरसा से शनिवार, रविवार, सोमवार (6,7,8 नवंबर) को ट्रेन चलेगी. यह ट्रेन राजपुरा, सहारनपुर, मुरादाबाद, खगड़िया, बख्तियारपुर स्टेशनों पर रुकेगी। सभी डिब्बे सेकंड क्लास आरक्षित होंगे।

सार समाचार

राज्यपाल ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

शिमला । राज्यपाल ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से रन फॉर यूनिटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। ऐतिहासिक रिज मैदान से आरम्भ की गई रन फॉर यूनिटी दौड़ में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया जिसमें खिलाड़ी, खेल प्रेमी, पुलिस बल के कर्मी, विद्यार्थी तथा अन्य शामिल थे। हिमाचल प्रदेश स्टेट रेडक्रॉस सोसायटी तथा जिला शिमला प्रशासन द्वारा आयोजित इस दौड़ का समापन द मॉल तथा छोटा शिमला से होते हुए पुनः रिज मैदान पर हुआ। राज्यपाल के सचिव प्रियतु मण्डल, उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी और पुलिस अधीक्षक डॉ. मोनिका भुटुंगरू भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

झारखंड में दो नक्सली समर्थक गिरफ्तार, 13 वॉकी टॉकी सेट और दो मोटरसाइकिल बरामद

चतरा। प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) को रविवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब पुलिस ने नक्सलियों के दो समर्थकों विशुन गंझू और पिंटू गंझू को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से 13 वॉकी टॉकी तथा दो मोटरसाइकिल बरामद की गयी। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सिमरिया अनुमंडलीय पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में गठित लावालौंग थाना पुलिस की टीम ने जोजंवारी गांव के समीप से इन दोनों नक्सली समर्थकों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों नक्सली समर्थकों के पास से विभिन्न कंपनियों के 13 वॉकी-टॉकी सेट, दो मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। इससे पहले 28 अक्तूबर को हंटरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने टीएसपीसी के तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से एके 47 राइफल और 20 गोलियां बरामद की गयी थी।

उत्तराखंड के चकराता में भयानक सड़क हादसा, खाई में गाड़ी गिरने से 14 लोगों की मौत 4 घायल

देहरादून। उत्तराखंड के चकराता में रविवार को एक वाहन के खाई में गिरने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। दुर्घटना की खबर फैलने के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू हो गया और अधिकारियों जान गवाने वालों की संख्या की पुष्टि की। स्थानीय निवासियों की मदद से राहत प्रयासों को अंजाम देने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता मौके पर मौजूद हैं। यह हादसा उत्तराखंड में देहरादून जिले के चकराता क्षेत्र में बुल्हाड़-बायला मार्ग पर हुआ। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बारे में अन्य जानकारियां अभी जुटायी जा रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को इस असीम दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने जिला प्रशासन को तेजी से राहत एवं बचाव कार्य करने और घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। इस बीच, दुर्घटना की सूचना मिलते ही राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और चकराता के स्थानीय विधायक प्रीतम सिंह भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

एनसीसी के महानिदेशक ने राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में कोर के विस्तार की समीक्षा की

जोधपुर (राजस्थान)। एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने राजस्थान के बाड़मेर में शनिवार को सीमावर्ती इलाकों में कोर के विस्तार की समीक्षा की। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने जोधपुर से बाड़मेर के उत्तरलाई एयरबेस तक एनसीसी के हल्के विमान से उड़ान भरी। उनके साथ राजस्थान एनसीसी के उप महानिदेशक एयर कोमोडोर एल. के. जैन भी थे। एनसीसी के महानिदेशक को कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल आर. एस. कुशवाहा ने सीमावर्ती इलाकों में एनसीसी के विस्तार और विभिन्न प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने बाड़मेर में सरकारी पीजी कॉलेज का दौरा किया और कैडेट तथा कर्मचारियों से बातचीत की।

सबरीमाला तीर्थयात्रा की व्यवस्था समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी : मंत्री

पथेनमथिट्टा (केरल)। केरल देवस्वओम मंत्री के राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि वार्षिक सबरीमाला तीर्थयात्रा के लिए व्यवस्था समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी। मंत्री पथनमथिट्टा, कोट्टायम और इडुक्की जिलों में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए यहां के पास पम्पा में आयोजित एक उच्च स्तरीय मूल्यांकन बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों को एक संयुक्त कार्य योजना तैयार करने और वार्षिक तीर्थयात्रा मौसम से पहले इसे सरकार को सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'व्यवस्था समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी। इस साल भी महामारी के कारण तीर्थयात्रा को डिजिटल कतार के माध्यम से अनुमति दी गई है। हमने मंदिर में तीर्थयात्रियों की संख्या को प्रति दिन 25,000 तक सीमित कर दिया है। इस बार 10 लाख से अधिक भक्तों ने पहले ही तीर्थयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है।' उन्होंने कहा कि इस साल 470 केएसआरटीसी बसें तीर्थयात्रियों के लिए चलेंगी, जिनमें से 140 बसें निलक्कल और पम्पा आधार शिविरों के बीच श्रृंखलाबद्ध सेवा का संचालन करेंगी।

यूपी की जनता से प्रियंका गांधी का वादा, बोलीं अगर सत्ता में आये तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जाएगा

लखनऊ (उप्र) (एजेंसी)।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश मामलों की प्रभारी प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जाएगा और मछली पालन तथा बालू खनन में निषादों को उनका अधिकार वापस दिया जाएगा। प्रियंका गांधी वाद्रा ने इसके अलावा कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को सरकारी बस में मुफ्त यात्राऔर आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं को कम से कम दस हजार रुपये का मानदेय देने की भी घोषणा की।

रविवार को गोरखपुर में कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली में अपने संबोधन की शुरुआत भोजपुरी में करते हुए प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि ''धर्म और जाति के नाम पर आपकी भावनाओं और आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''इस सच्चाई को पहचानिये कि एक नेता का सबसे बड़ा धर्म सेवा होता है। आज सरदार पटेल का जन्मदिन और इंदिरा (गांधी) जी जैसी नेता का शहादत दिवस है। इंदिरा जी ने आपको दिखाया कि उनके लिए देश से बड़ा कोई नहीं। जो आस्था आपने उनमें रखी उसी आस?था के लिए उन्होंने अपना जीवन दे दिया। उन्होंने कहा, ''जब हम स्कूल जाते थे तो उनसे मिलकर जाते थे, आज ही के दिन उन्होंने मेरे भाई से कहा कि अगर मुझे कुछ हो जाएगा तो रोना मत।

वह जानती थीं कि उनकी हत्या हो जाएगी लेकिन वह कभी पीछे नहीं हटीं क्योंकि उनके लिए देश और आपकी आस्था से बढ़कर कुछ नहीं था। अगर आज मैं आपके सामने खड़ी हूं तो यह उन्हीं की सीख है, मैं कभी आपकी आस्था नहीं तोड़ सकती हूं। प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, ''मैं कांग्रेस की प्रतिज्ञा उसी आस्था से रखना चाहती हूं, मैं कहना चाहती हूं कि जो प्रतिज्ञा है वह पूरी होगी,अगर हमारी सरकार आएगी तो मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया जाएगा। जो सुविधाएं और छूट कृषि के लिए हैं वह सब मछली पालन में लागू होंगी। बालू खनन और मछली पालन में निषाद समाज को उनका अधिकार वापस दिया जाएगा।'' वाद्रा ने सरकार बनने पर हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त देने का भी वादा किया। इसके अलावा बीमारी में दस लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज का भी वचन दिया।

उन्होंने गुरु गोरक्षनाथ के गुरु, गुरु मत्स्येंद्र नाथ के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा करते हुएकिसानों का पूरा कर्ज माफ करने, गेहूं और धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2500 रुपये प्रति क्विंटल, गन्ना मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल, 20 लाख युवाओं को नौकरी देने, 12वीं पास छात्राओं को स्मार्ट फोन और मोबाइल तथा स्नातक पास छात्राओं को स्कूटी दिये जाने का हाल में दिये वचन को दोहराया। उन्होंने साथ ही कहा कि कांग्रेस 40 फीसद महिलाओं को विधानसभा चुनाव में टिकट देगी। उन्होंने इसके अलावा वादा किया कि कांग्रेस की सरकार बनी तो अन्ना पशुओं (छुट्टा जानवरों) की समस्या का पूर्ण समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग भाजपा से मिले होने का आरोप लगाते हैं लेकिन मैं इस मंच से कह रही हूं कि मर जाऊंगी, जान दे दूंगी, लेकिन कभी भाजपा से मिलावट नहीं करुंगी।'' प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि कबीर दास कहते थे कि 'साईं इतना दीजिए जामें कुटुंब समाय' लेकिन भाजपा की मंशा यह है कि जनता से लूट लूट कर पूंजीपतियों को पहुंचाएं, महंगाई इतना बढ़ाओ कि जनता त्राहि-त्राहि चिल्?लाए। उन्होंने कहा, ''ये कहते हैं कि 70 साल में कांग्रेस ने क्या किया, मैं कहती हूं 70 साल में जो कांग्रेस ने बनाया उसे सात वर्षों में इन लोगों ने बेच दिया।''उन्होंने राज्य में गरीबों, पिछड़ों, बुनकरों, किसानों, महिलाओं, दलितों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ''अमित शाह (केंद्रीय गृह मंत्री)का कल भाषण सुन रही थी, अमित शाह कह रहे थे कि उत्तर प्रदेश में अब अपराधियों को दूरबीन लेकर ढूंढना पड़ता है, लेकिन उनके साथ कौन खड़ा था, अजय मिश्रा टेनी (गृह राज्य मंत्री), मैं कह रही हूं दूरबीन छोड़िए, चश्मा लगाइए, क्या गरीब की कोई सुनवाई नहीं है।'' उल्लेखीय है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में अजय मिश्रा का पुत्र आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है जिसमें में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, ''यहां पर जलभराव की जो समस्या है आपने देखा होगा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले योगी जी आते थे और जबसे मुख्यमंत्री बने हैं हवाई जहाज से उड़ कर चले जाते हैं। उनकी सरकार ने जन जन की रोटी खत्म की है।'' प्रियंका गांधी ने कहा, ''कोरोना में जो ऑक्सीजन मांग रहा था उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। कहा जाता था कि जमीन जब्त कर लेंगे। मदद नहीं मिली, सहायता नहीं मिली। नदी में लाशें बह रही थीं लेकिन सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं आई।

समाज सेवक कमलेश शुक्ला ने देवारा बाढ क्षेत्र का किया दौरा पिडितो की यथासंभव कि मदद दिवस का आयोजन

संवाददाता रामलखन सहानी, बरहज,देवरिया।

बरहज/देवरिया।

सोमवार को समाज सेवी कमलेश शुक्ला ने बरहज विधानसभा क्षेत्र परसिया देवार के दस रसरिया, बरमहवा, नकीह्वा,भर टोला आदि क्षेत्रों का दौरा कर बाढ़पीड़ितों का जाना हाल। कमलेश शुक्ला ने कहा कि सरयू नदी का जलस्तर जहां एक ओर उफान पर है और परसिया देवार गांव सरयू नदी के पानी से चारों तरफ से घिरा हुआ है वही इलाज के अभाव में एक मासूम की मौत हो गयी। बरहज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा परसिया देवार निवासी निवासी शीतल पुत्र मनोज राजभर को सुबह अचानक तेज बुखार हुआ किन्तु ग्रामीणों के लाख प्रयास करने के बाद भी शीतल का इलाज संसाधनों के अभाव में नहीं हो सका जिसके वजह से गांव में ही मौत हो गई, पीड़ित परिजनों को ढाढ़स वधाते हुए शुक्ला ने प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की जबकि मृतक की माँ का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। वही पूरा गांव सदमे में है।

राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में जनपद में हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ मनायी गयी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

सूरत भूमि, प्रयागराज, संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय।

जनपद में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में हर्षोल्लास, उत्साह एवं उमंग के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल ने गांधी सभागार में सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उनको नमन किया। इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने गांधी सभागार में समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी। "मैं सत्य निष्ठा से शपथ लेता/लेती हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा/करुंगी और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा/करूंगी। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा/रही हूँ, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्य निष्ठा से संकल्प करता/करती हूं"।

इस अवसर पर कलेक्टेज्ट स्थित संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी नगर श्री मदन कुमार सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उनको नमन किया तथा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलायी। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में रजिस्टर्ड जादूगर श्री नागेन्द्र सिंह ने जादू की कला के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के संदर्भ में कार्यक्रम करते हुए लोगो को मंत्रमुग्ध कर लिया।

जीका वायरस के उपचार और नियंत्रण के लिए उचित प्रबंध करें अधिकारी: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीका वायरस के उपचार और बचाव के संबंध में अधिकारियों को उचित प्रबंधन का निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस?तक अभियान को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। रविवार को जारी सरकारी बयान के अनुसार, मुख?यमंत्री ने अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर एक बैठक में संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जीका वायरस के कुछ मामले कानपुर नगर में मिले हैं और इस बीमारी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एवं उपचार का उचित प्रबंध किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीका वायरस मच्छरों से फैलता है इसलिए मच्छरों से बचाव ही इससे सुरक्षा है। उन्होंने मच्छर जनित रोगों के नियंत्रण हेतु बचाव एवं जागरूकता कार्य को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्रवाई जीका वायरस की रोकथाम में उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने निगरानी कार्य को तत्परता से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग तथा लार्वा रोधी छिड़काव कार्य लगातार किया जाए।

यह कार्रवाई कोविड-19 के साथ-साथ जीका वायरस तथा अन्य संचारी रोगों के नियंत्रण में उपयोगी रहेगी। उल्लेखनीय है कि कानपुर में पिछले हफ्ते जीका वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया और वायु सेना में तैनात एक अधिकारी इस रोग से संक्रमित पाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वायु सेना के एक वारंट अधिकारी की जीका वायरस के लिए जांच की गयी और उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। इसके बाद कई और मामले सामने आये।

दल-बदलू लोगों के इस पार्टी से उस पार्टी में जाने से किसी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने अपनी पार्टी के निलंबित छह विधायकों के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के एक दिन बाद रविवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही आए दिन दल-बदलू लोगों का इस पार्टी से उस पार्टी में जाने का दौर शुरू हो गया है लेकिन इससे किसी भी पार्टी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को दलबदलुओं को 'बरसाती मेंढक' करार देते हुए ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश विधानसभा आम चुनाव नजदीक आने पर अब फिर से आए दिन दलबदलू लोगों के इस पार्टी से उस पार्टी में आने-जाने का दौर शुरू हो गया है किन्तु इससे किसी भी पार्टी का जनाधार बढ़ने वाला नहीं है, बल्कि इससे उन्हें हानि ही होगी। अतः बसपा के लोग ऐसे बरसाती मेंढकों को पार्टी से दूर ही रखें। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''केवल दलबदलू ही नहीं बल्कि बरसाती मेंढकों की तरह अनेक ऐसी पार्टियों के नाम भी लोगों को सुनने को मिल रहे हैं जिनके नाम अब तक देखने-सुनने को नहीं मिले थे। सत्ता लोलुपता के ऐसे खेल को जनता खूब समझती है तथा इससे उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। परिवर्तन अटल है। गौरतलब है कि शनिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में सीतापुर सदर से भाजपा विधायक राकेश राठौर और बसपा के निलंबित विधायक असलम राइनी (भिनगा), सुषमा पटेल (मड़ियाहूं), हर गोविंद भार्गव (सिधौली), हाकम लाल बिंद (हंडिया), मुजतबा सिद्दीकी (फूलपुर) और असलम अली चौधरी (धौलाना) ने सपा की सदस्यता ग्रहण की।

समाजवादी शासन में खुद पर हुए अत्याचार भूली नहीं हैं उत्तर प्रदेश की महिलाएं: स्मृति ईरानी

लखनऊ। (एजेंसी)।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं और लड़कियां इस पार्टी के शासनकाल में खुद पर होने वाले अत्याचार को भूली नहीं हैं। स्मृति ने लखनऊ की बाबा भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी में आयोजित 'धरोहरः कुशल हाथों की सफल उड़ान' कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कुछ राजनीतिक दल चुनाव की रणभेला में अपने आप को एक नए स्वरुप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन फर्क यह है कि वो राजनीति के लिए प्रयास कर रहे हैं और हम राष्ट्रनीति से ओत-प्रोत होकर समाज कल्याण में अपने आप को समर्पित कर रहे हैं।

उन्होंने सपा संस्थापक मुलायम सिंह द्वारा वर्ष 2014 में लड़कों से गलती हो जाती है , वाले बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा जो लोग आज चुनाव के समय रणभूमि में उतर कर राजनीति करना चाहते हैं, उनसे कहना चाहती हूं की उत्तर प्रदेश की महिला भूली नहीं वो मंजर, जब उसकी प्रताड़ना होती थी, क्यूकि एक विशेष राजनीतिज्ञ उत्तर प्रदेश में सरकार चला रहे थे, जिनका दुस्साहस इतना था की वो कहते थे की लड़के हैं लडकों से तो गलती हो जाती है। स्मृति ने कहा, ''उत्तर प्रदेश की महिलाएं भूली नहीं हैं जब सूर्यास्त के बाद खुले में शौच करने को मजबूर थी क्यूंकि उसके घर में शौचालय बनाने की किसी ने जहमत नहीं उठाई थी।

महिलाएं थाने जाने से भी डरती थी, लेकिन आज भाजपा सरकार में हर एक थाने में महिला हेल्प डेस्क और 'एंटी रोमिओ स्क्वॉड' की स्थापना कर महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकने का काम हो रहा है।'' गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने अप्रैल 2014 में लोकसभा चुनाव के लिये मुरादाबाद में आयोजित एक जनसभा में कहा था कि सामूहिक बलात्कार के मामले में फांसी की सजा नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा था, 'लड़के तो लड़के हैं, उनसे गलतियां हो जाती हैं।' उन्होंने वादा किया था कि केंद्र की सत्ता में आने पर ऐसा कानून बनाएंगे जिससे फांसी दिलाने वाले कानून का दुरुपयोग रोका जा सके। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की मौजूदगी में 'धरोहर- कुशल हाथों की सफल उड़ान' के दौरान 4200 महिला बुनकर-कारीगरों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली। भाजपा के बुनकर प्रकोष्ठ की सह संयोजक व उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन एंड रिसर्च की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला ने बताया कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इस अवसर पर 'हेलो कमल शक्ति मोबाइल ऐप'की भी शुरुआत की। इसके माध्यम से अब महिलाएँ संगठन से सीधे संवाद कर सकेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के 26 ज़िलों से 4200 से अधिक महिला कारीगरों और बुनकरों ने प्रतिनिधित्व किया। अनुसूचित जनजाति - थारू समाज के 550 महिलाओं भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से जिन करोड़ों लोगों को फ़ायदा हुआ है, उसकी एक इकाई आज कार्यक्रम में शामिल हुई है। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। हस्तकला, कारीगरी व महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी इस दौरान सम्मानित किया गया।

दीपावली की खरीदारी के कारण नहीं हो रहा कोरोना प्रोटोकॉल का पालन, बाजारों में बेफिक्रे दिखें लोग

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

देश में जब दीपावली की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, तब कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुपालन की चर्चाओं के बीच सिर्फ दो प्रतिशत भारतीयों को लगता है कि मास्क लगाना कोविड-19 से बचाव का एक प्रभावी उपाय है जबकि केवल तीन प्रतिशत महसूस करते हैं कि उनके इलाकों और जिलों में लोग आपस में दूरी रखने के मानदंडों का पालन कर रहे हैं। एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आयी है।

समुदाय आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म लोकल सर्किल्स द्वारा किये गए सर्वेक्षण के दौरान देश के 366 जिलों में 20,000 से अधिक नागरिकों से 39,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं मिलीं, जिन्होंने बताया कि कैसे लोग त्योहारों के मौसम और यात्रा के दौरान मास्क लगाने और आपस में दूरी जैसे नियमों का पालन कर रहे हैं। सैंतालीस प्रतिशत उत्तरदाता टियर 1 जिलों से, 30 प्रतिशत टियर 2 जिलों से और 23 प्रतिशत टियर 3, 4 और ग्रामीण जिलों से थे। उत्तरदाताओं में 65 प्रतिशत पुरुष थे, जबकि 35 प्रतिशत महिलाएं थीं। सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल दो प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में 90 प्रतिशत से अधिक लोग मास्क लगाने के नियम का अनुपालन करते हैं और केवल 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि यात्रा के दौरान हवाई अड्डों, स्टेशनों और बस स्टैंड आदि पर मास्क लगाना प्रभावी है।

सितंबर में लोकल सर्किल द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, 13 प्रतिशत नागरिकों ने महसूस किया कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में मास्क नियम का अधिक पालन हो रहा है, जबकि 30 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि यात्रा के दौरान मास्क लगाना प्रभावी है। नवीनतम सर्वेक्षण में, केवल तीन प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में आपस में दूरी का अनुपालन प्रभावी है और नौ प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि यात्रा के दौरान आपस में दूरी का अनुपालन अब न के बराबर है। सितंबर के सर्वेक्षण के अनुसार, बस छह प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा था कि उनके क्षेत्र, जिले या शहर में आपस में दूरी का अनुपालन अधिक था।

सार समाचार

सिंगापुर में कोरोनावायरस के 3,112 नए मामले

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोनावायरस के 3,112 नए मामले सामने आए, जिससे देश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,95,211 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय (एमओएच) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, नए मामलों में से, 2,608 समुदाय में थे, 500 प्रवासी श्रमिक छात्रावास में थे और चार बाहरी मामले थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोरोनावायरस के वर्तमान में कुल 1,627 मामले हैं। 267 मामले सामान्य वार्ड में हैं, जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है। 69 मामले अस्थिर हैं और आईसीयू में निगरानी में हैं। कोरोना संक्रमण के कारण जटिलताओं से चौदह संक्रमितों की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 394 हो गई। मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सिंगापुर में पात्र व्यक्ति 30 अक्टूबर से सिनोवैक-कोरोनावैक वैक्सीन ले सकते हैं। इसके बाद 23 अक्टूबर को सिंगापुर सरकार के बहु-मंत्रालय कार्यबल की घोषणा के बाद 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम (एनवीपी) में टीका शामिल करने की घोषणा की गई। और जो फटअ के टीके लगाने में असमर्थ हैं। एमओएच ने कहा कि उसके अध्ययन से पता चला है कि टीकाकरण बूस्टर कोविड -19 संक्रमण और गंभीर बीमारी के खिलाफ महत्वपूर्ण अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करते हैं।

पाकिस्तान में साइबर हमला, बैंक सेवाओं को किया बाधित

नई दिल्ली। अधिकारियों ने नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान (एनबीपी) पर एक साइबर हमले का पता लगाया है, जिसने बैंक की सेवाओं को बाधित किया है। डॉन न्यूज ने बैंक के एक बयान के हवाले से कहा, 29 अक्टूबर की देर रात और 30 अक्टूबर की सुबह, एनबीपी के सर्वर पर एक साइबर हमले का पता चला, जिसने बैंक की कुछ सेवाओं को प्रभावित किया। इसमें कहा गया है कि प्रभावित प्रणालियों को ठीक करने के लिए तत्काल कदम उठाए गए है। बैंक के बयान में कहा, किसी भी ग्राहक या वित्तीय डेटा से समझौता नहीं किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय संसाधनों सहित उद्योग के अग्रणी विषय विशेषज्ञों का उपयोग कर के उपचार के प्रयास जारी हैं। अभी भी ग्राहकों के लिए एनबीपी की सेवाएं बाधित हैं, हम समस्याओं को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं और विश्वास है कि आवश्यक ग्राहक सेवाएं सोमवार सुबह तक बहाल कर दी जाएंगी। हम इस असामान्य स्थिति में अपने ग्राहकों की समझदारी के लिए आभारी हैं। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। एसबीपी ने एक ट्वीट में कहा, एनबीपी ने कोई डेटा उल्लंघन या वित्तीय नुकसान नहीं देखा है। यह कहते हुए कि किसी अन्य बैंक ने ऐसी घटना की सूचना नहीं दी है। केंद्रीय बैंक ने कहा, एसबीपी बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

फिलिस्तीन ने आपातकाल की समयसीमा को बढ़ाया

रामल्लाह। फिलस्तीन ने कोरोना वायरस से संबंधित आपात स्थिति को ताजा मामलों और मौतों में कमी के बावजूद एक और महीने के लिए बढ़ा दिया है। समाचार एजेंसी ने राज्य मीडिया के हवाले से बताया कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास द्वारा जारी एक फरमान में, आपातकाल की स्थिति को शनिवार से तुरंत प्रभावी कर दिया गया ताकि वायरस के प्रसार को रोका जा सके। फिलिस्तीनी क्षेत्रों में कोरोनावायरस के पहले मामलों की खोज के बाद पहली बार मार्च 2020 में आपातकाल की स्थिति जारी की गई थी और तब से हर महीने इसे बढ़ाया या फिर से घोषित किया गया है। राज्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अब्बास ने सक्षम अधिकारियों से कोरोनावायरस से उत्पन्न जोखिमों का सामना करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और सुरक्षा और स्थिरता प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया। इस बीच, फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बीते 24 घंटे में कोरोनावायरस के 210 मामले सामने आए जबकि 7 लोगों की मौत हो गई है। बयान में कहा गया है कि पिछले कुछ हफ्तों की तुलना में हाल के दिनों में मौतों और नए मामलों में गिरावट आई है।

म्यांमार में कोरोनावायरस के 499,321 मामले सामने आए

यांगून। म्यांमार में बीते 24 घंटे में कोरोनावायरस के 716 नए मामले सामने आए, जिससे कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 4,99,321 हो गई है। ये आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति से सामने आए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि शनिवार को दैनिक परीक्षण पॉजिटिविटी दर 3.82 प्रतिशत दर्ज की गई और कोरोना के अब तक 48.4 लाख से ज्यादा नमूनों का परीक्षण किया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोनावायरस से 20 नई मौत हुई हों, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 18,664 हो गई है, जबकि कोरोना से कुल 4,66,317 संक्रमित ठीक हो चुके हैं। कोविड -19 की रोकथाम, नियंत्रण और उपचार पर म्यांमार की केंद्रीय समिति ने शनिवार को महामारी विरोधी उपायों की अवधि नवंबर के अंत तक बढ़ाने की घोषणा की। घोषणा में कहा गया है कि वायरल बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए संबंधित संघ स्तर के सरकारी संगठनों और मंत्रालयों द्वारा पहले जारी किए गए सभी आदेशों, घोषणाओं, निर्देशों पर विस्तार लागू होगा।

140 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को लीबिया से उनके देश भेजा गया

त्रिपोली । इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने कहा कि उसने 140 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को उनके मूल देश वापस भेज दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के हवाले से कहा कि चिकित्सा शर्तों के साथ नौ सहित अन्य प्रवासियों को पिछले हफ्ते बेंगाजी से बांग्लादेश लौटने में मदद की गई थी। बयान में कहा गया है, बांग्लादेश के दूतावास इन प्रवासियों को सुविधा और समर्थन दिया गया। लौटने वाले प्रवासियों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें परामर्श सेवाएं और सुरक्षा जांच के साथ-साथ व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और कोविद -19 परीक्षण प्रदान किए गए। 2011 के बाद से लीबिया असुरक्षा और अराजकता का सामना कर रहा है, जिससे उत्तरी अफ्रीकी देश उन अवैध प्रवासियों के लिए प्रस्थान का पसंदीदा बिंदु बन गया है।

जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रम

रोम (एजेंसी)।

जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में नेताओं ने 15 प्रतिशत वैश्विक न्यूनतम कॉरपोरेट कर को लागू करने के लिए ऐतिहासिक समझौते को व्यापक समर्थन दिया है। इसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को कम दर वाले देशों का उपयोग करके करों से बचने से रोकना है। मेजबान देश इटली के अधिकारियों ने बताया कि नेताओं ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान शनिवार को प्रस्ताव पर बात की। रविवार के समापन वक्तव्य में इसके लिए औपचारिक अनुमोदन के बाद देश अपनी ओर से न्यूनतम कर लागू करेंगे। इस समझौते में कहा गया है कि यदि किसी अन्य देश में कंपनी के मुनाफे पर कम कर लगाया जाता है, तो जिन देश में उन कंपनी के मुख्यालय हैं वे कंपनी के कर को 15 प्रतिशत तक बढ़ा देंगे। आज की डिजिटल और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुनाफा कॉपीराइट और ट्रेडमार्क जैसे अमूर्त साधनों से कमाया जा सकता है। एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या अमेरिकी संसद इस समझौते के अनुपालन के लिए कानून पारित करेगी, क्योंकि दुनिया की 2,000 सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में से 28 प्रतिशत कंपनियां अमेरिका में हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन से पहले चीन के कार्बन-उत्सर्जन कम करने के लक्ष्यों को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति शी चिनफिंग पर दबाव डाला है। हालांकि, उनका प्रयास बहुत सफल नहीं हुआ है। गौरतलब है कि चीन ने इस सप्ताह अपने जलवायु लक्ष्यों का एक अद्यतन संस्करण जारी किया, जिसमें 2060 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने और 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने का वादा किया गया। रविवार को जॉनसन स्कॉटलैंड में दो सप्ताह के जलवायु सम्मेलन में विश्व नेताओं की मेजबानी करेंगे। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने कहा है कि उन्होंने अपनी फ्रांसीसी समकक्ष ब्रिगिट मैक्रों के साथ मुलाकात की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुलाकात की ताकि तनाव को कम किया जा सके। जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इन देशों के नेता रोम में हैं। फ्रांस ने दुनिया के सबसे गरीब देशों को टीके की 6.7 करोड़ खुराक दान की है, जिससे यह अमेरिका के बाद दूसरा देश बन गया है जिसने संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स वैक्सीन पहल में सबसे अधिक योगदान दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-यवेस ले द्रियां ने कहा कि फ्रांस ने टीका दान के संबंध में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, जिससे 45 से अधिक देशों को लाभ हुआ है, जिसमें अफ्रीका के लगभग 30 देश शामिल हैं। फ्रांस ने 2022 के मध्य तक और छह करोड़ खुराक देने का वादा किया है। रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले जुटे हुए स्वास्थ्य और वित्त मंत्रियों ने कोविड-19 टीके की कमी के साथ महामारी से निपटने को लेकर चिंता जाहिर की। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जिवा ने शुक्रवार को कहा कि टीकाकरण को गति देने के प्रयासों में 20 अरब डॉलर की कमी है, जो कि वर्ष के अंत तक दुनिया के 40 प्रतिशत और अगले वर्ष के मध्य तक 70 प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मोदी और जी20 के अन्य नेताओं ने रोम में ऐतिहासिक ट्रेवी फाउंटेन का दौरा किया

रोम। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जी20 शिखर सम्मेलन से इतर विश्व के अन्य नेताओं के साथ यहां प्रसिद्ध ट्रेवी फाउंटेन का दौरा किया। यह फव्वारा इटली के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक है और पर्यटकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। ऐतिहासिक फव्वारे ने उन कई फिल्मकारों को आकर्षित किया है, जिन्होंने बारोक कला-शैली वाले इस स्मारक को रूमानी स्थल के प्रतीक के रूप में लोकप्रिय बनाया है। जी20 इटली ने ट्वीट किया, जी20 के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों ने जी20 रोम सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत शहर के एक प्रतीकात्मक स्थान ट्रेवी फाउंटेन की सैर के साथ की, जो दुनिया के सबसे खूबसूरत फव्वारों में से एक है। लगभग 26.3 मीटर ऊंचा और 49.15 मीटर चौड़ा, यह शहर का सबसे बड़ा बारोक फव्वारा है और दुनिया के सबसे प्रसिद्ध फव्वारों में से एक है। प्रसिद्ध फव्वारे का दौरा करने के बाद मोदी स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भाग लेंगे। वह सतत विकास पर एक सत्र और एक अन्य कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्रेगी के निमंत्रण पर 30 से 31 अक्टूबर तक रोम में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इटली पिछले साल दिसंबर से जी20 की अध्यक्षता कर रहा है।

ग्लासगो में जलवायु सम्मेलन धरती को बचाने का अंतिम मौका: प्रिंस चार्ल्स

रोम। (एजेंसी)।

प्रिंस चार्ल्स ने विश्व के नेताओं से बच्चों की हताशा भरी अपील पर ध्यान देने का अनुरोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि स्कॉटलैंड के ग्लासगो में रविवार से आरंभ हुआ संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन ''सचमुच में पृथ्वी को बचाने का अंतिम मौका है।'' चार्ल्स ने रोम में बैठक कर रहे जी20 नेताओं से कहा कि उनके पास भविष्य की पीढ़ियों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, ''उन बच्चों की आवाज सुनना असंभव नहीं है जो आपको धरती के रक्षक मानते हैं, उनके भविष्य की जिम्मेदारी आपके हाथों में है।'' पर्यावरण संरक्षण के पैरोकार चार्ल्स ने कहा , '' सरकारों को नेतृत्वकारी भूमिका निभानी चाहिए लेकिन हम जो समाधान चाहते हैं उसकी कुंजी निजी क्षेत्र के पास है। '' चार्ल्स ग्लासगो सीओपी-20 सम्मेलन में सोमवार को जी20 नेताओं का स्वागत करने वाले हैं।इसमें उनकी मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय (95) शरीक होने वाली थी, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है।

ईरान ने सीरिया प्रतिबंध समाप्त करने का आह्वान किया

तेहरान(एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में एक ईरानी दूत ने सीरिया के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों को हटाने और सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा यमन पर घेराबंदी को समाप्त करने का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया में शरणार्थियों और विस्थापित लोगों की संख्या बढ़ रही है।

इरशादी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति से कहा कि इस प्रवृत्ति के अंतर्निहित कारणों को दूर करने के उद्देश्य से प्रयासों को दोगुना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वहीं यमन मुद्दा वैश्विक स्तर पर सबसे गंभीर मानवीय संकट बना हुआ है, जिसमें लाखों लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है।

इस त्रासदी को समाप्त करने के लिए स्थितियां प्रदान करने और इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए, इस राष्ट्र पर लगाई गई अमानवीय नाकाबंदी को पूरी तरह से और तुरंत हटा दिया जाना चाहिए, मार्च 2021 में, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी का समर्थन करने के लिए हौथियों के खिलाफ यमन में युद्ध ने अपना छठा वर्ष पूरा कर लिया है। यमन सितंबर 2014 से गृहयुद्ध में फंसा है जब हौथी मिलिशिया ने राष्ट्रपति हादी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर कर दिया था। इस बीच, सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध, जो 2011 के गृहयुद्ध के बाद से तेज हो गए हैं, के परिणामस्वरूप सीरिया की आबादी पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

वैज्ञानिकों का दावा,अब अपने यूरिन से भी कर सकेंगे स्मार्ट फ़ोन चार्ज

आज के समय में जब हमारी निर्भरता अपने स्मार्ट फ़ोन पर बढ़ती जा रही है तो ऐसे में मोबाइल फ़ोन की बैटरी की चार्जिंग को ले कर हम सब सबसे ज्यादा फिक्रमंद रहते हैं। स्मार्टफोन की चार्जिंग को लेकर वैज्ञानिक एक चौकाने वाला दावा कर रहे हैं नए शोध के अनुसार अब पेशाब से चार्ज किया जा सकेगा स्मार्टफोन। बीबीसी में प्रकाशित खबर के मुताबिक, ब्रिटेन के वैज्ञानिक कुछ ऐसे शोध में लगे हैं, जिससे पेशाब को करंट में बदला जा सकता है ब्रिटेन के ब्रिस्टल रोबोटिक्स लैब के वैज्ञानिक पेशाब को करंट में बदलने के प्रोजेक्ट पर कर रहे हैं काम।

जाने आखिर क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार 2 लीटर यूरीन से करीब 40 मिली वाट तक बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। स्मार्टफोन चार्ज करने के अलावा इस बिजली का प्रयोग लाइट जलाने में भी किया जा सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रो-एक्टिव माइक्रोऑर्गेनिस्म को बड़ी मात्रा स्टोर किया, ये माइक्रोऑर्गेनिस्म खराब, गंदे पानी और पेशाब में पनपते हैं। इन माइक्रोऑर्गेनिस्म से इलेक्ट्रॉन डेवलप होता है। इन्ही इलेक्ट्रॉन का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। हालांकि ये शोध कब तक फलीभूत होगा ये कहना अभी जल्दबाज़ी होगी। फिर भी ये तो कहा ही जा सकता है कि प्रक्रिया काफी लंबी चल सकती है।

लीबिया के संयुक्त सैन्य आयोग ने विदेशी बलों की वापसी को लेकर की चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

काहिरा, 31 अक्टूबर (आईएएनएस)। लीबिया के 5 प्लस 5 संयुक्त सैन्य आयोग (जेएमसी) ने मिस्र की राजधानी काहिरा में संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित वार्ता का एक नया दौर शुरू किया है, ताकि विदेशी सेनाओं की वापसी की योजनाओं पर चर्चा की जा सके। एक रिपोर्ट में मिस्र की आधिकारिक अहराम ऑनलाइन समाचार वेबसाइट के हवाले से कहा कि दो दिवसीय बैठक में लीबिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत जान कुबिस और पड़ोसी देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

8 अक्टूबर को जिनेवा में हुई बैठक के बाद, जेएमसी ने लीबियाई क्षेत्र से सैनिकों, विदेशी लड़ाकों और विदेशी सेनाओं की संतुलित और क्रमिक वापसी के लिए एक व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए है। इन टैक को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2510 (2020) द्वारा समर्थन दिया गया था, जिसमें दोनों पक्षों को स्थायी युद्धविराम के लिए एक समझौते पर पहुंचने का आह्वान किया गया था। लीबिया में 2011 में पूर्व नेता मुअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल करने और उनकी हत्या के बाद से गृह युद्ध चल रहा है। फरवरी में, लीबिया के युद्धरत गुटों ने 24 दिसंबर को आम चुनाव होने तक देश को चलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में एक अंतरिम सरकार बनाने पर सहमति व्यक्त की थी।

अफगान किसानों को जकात चुकाने के लिए मजबूर कर रहा है तालिबान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में नकदी की तंगी से जूझ रहा तालिबान शासन देश के संकटग्रस्त किसानों को उनकी जमीन और फसल पर तथाकथित दान या जकात कर चुकाने के लिए मजबूर कर रहा है, जिसमें भुगतान को इस्लामिक कानून के तहत एक दायित्व बताया गया है। यह जानकारी आरएफई/आरएल की रिपोर्ट के जरिये मिली है।

युद्ध, सूखा और कोविड-19 ने पूरे अफगानिस्तान के किसानों को तबाह कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब, पिछले एक साल में फसल उगाने की कोशिश में पैसा गंवाने वाले इन किसानों का कहना है कि तालिबान उन्हें एक और गंभीर झटका दे रहा है।

किसानों का कहना है कि तालिबान के कर संग्रहकताओं ने उनकी संपत्ति के मूल्य का अनुमान लगाया है कि उन्हें उस मूल्य पर 2.5 प्रतिशत कर देना होगा। तालिबान अपने धर्मार्थ करों को इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक के रूप में सही ठहराता है जिन्हें सभी मुसलमानों के लिए दायित्व माना जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जकात दयालुता या उदारता से धर्मार्थ उपहार देने के स्वैच्छिक कार्य से अलग है। यह उन लोगों के लिए अनिवार्य है जो एक निश्चित राशि से अधिक आय अर्जित करते हैं, और यह एक व्यक्ति की आय के साथ-साथ उनकी संपत्ति के मूल्य पर आधारित है। जकात जमा करने वालों को उनके काम का मुआवजा भी दिया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कर के आलोचकों में इस्लामिक विद्वान और सहायता कर्मी शामिल हैं, जो इस बात पर ध्यान देते हैं कि यह प्रथा मुस्लिम दुनिया में गरीबी को कम करने में विफल रही है। उनका तर्क है कि धन अक्सर बर्बाद और कुप्रबंधित होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान की कर वसूली प्रक्रिया तब शुरू हुई जब स्थानीय आतंकवादियों ने स्थानीय मस्जिदों और आवासीय परिसर की दीवारों पर तथाकथित रात्रिकालीन पत्र पोस्ट किए। मध्य अफगान प्रांत के किसानों का यह भी कहना है कि तालिबान बंदूकधारियों ने दशमांश और धर्मार्थ कर का भुगतान करने की मांग को लेकर रात में उनके घरों पर धावा बोल दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जिनके पास भुगतान करने के लिए पैसे नहीं हैं, उनका कहना है कि तालिबान ने उनके पशुओं को जब्त कर लिया है और उनके परिवारों को आने वाले महीनों में मानवीय सहायता पर और भी अधिक निर्भर बना दिया है। काबुल में, तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के कृषि मंत्रालय का कहना है कि वह राजस्व बढ़ाने और देश की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए किसानों, पशुपालकों और छोटे बगीचे वाले लोगों से दान कर एकत्र कर रहा है।

संपादकीय

टीके से परहेज

ऐसे वक्त में जब देश एक सौ चार करोड़ से अधिक लोगों को टीके की पहली डोज लगा चुका है, कुछ विसंगतियां हमारी चिंता बढ़ाने वाली साबित हो रही हैं जो कहीं न कहीं कोरोना के खिलाफ जीती जा रही लड़ाई को कमजोर कर सकती हैं। हाल ही में एक परेशान करने वाला यह तथ्य सामने आया है कि देश में करीब ग्यारह करोड़ लोगों ने पहली खुराक के बाद दूसरी खुराक का समय आ जाने के बावजूद टीका नहीं लगवाया। सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि देश में लगभग चार करोड़ वयस्क दूसरी खुराक के लिये निर्धारित तिथि से छह सप्ताह से अधिक लेट हो चुके हैं। इसी तरह डेढ़ करोड़ लोगों को दूसरी डोज के समय से चार से छह सप्ताह अधिक हो चुके हैं। वहीं डेढ़ करोड़ लोग दो से चार सप्ताह गुजरने के बावजूद टीका लगवाने नहीं पहुंचे। साथ ही करीब 3.38 करोड़ लोग दूसरे टीके की निर्धारित अवधि से दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद टीका लगाने को उत्सुक नजर नहीं आते। ऐसे समय में जब देश में कोविशील्ड व कोवैक्सीन के अलावा स्पूतनिक-वी वैक्सीन उपलब्ध हैं और उनका भारत में ही उत्पादन हो रहा है, टीके लगाने में उदासीनता का कारण समझ से परे है। देश में पर्याप्त मात्रा में टीके उपलब्ध हैं और देश अब जरूरतमंद देशों को निर्यात का भी मन बना चुका है। ऐसे में जब पहले टीके की खुराक ले चुके लोग दूसरा टीका लेने में कोताही बरत रहे हैं तो अधिकारियों को भी ऐसे लोगों को टीका लगाने के लिये तैयार करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। यह चिंता की बात है कि पिछले दिनों इस गंभीर समस्या के बाबत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आहूत बैठक में कुछ उत्तरी राज्यों ने भाग नहीं लिया। भले ही हमने सौ करोड़ टीकाकरण का मनोवैज्ञानिक लक्ष्य छू लिया हो लेकिन अभी तीसरी लहर का खतरा टला नहीं है। ऐसे में कोई ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए जो कालांतर आत्मघाती साबित हो।

भारत जैसे बड़ी आबादी और सीमित संसाधनों वाले देश में यह गर्व की बात है कि हम देश की 76 फीसदी आबादी को टीके की एक खुराक और बत्तीस फीसदी लोगों को दोनों खुराक दे चुके हैं। विगत में कई वैज्ञानिक अध्ययन इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि टीके की एक खुराक की तुलना में दो खुराक कोविड-19 के खिलाफ अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षा प्रदान करती है। ऐसे में यह विश्वसनीय निष्कर्ष स्वयं में प्रमाण है और लोगों को दोनों डोज लेने के लिये प्रेरित करने के लिये पर्याप्त प्रयास होने चाहिए। यदि इसके बावजूद लोग दुराग्रह-अज्ञानता और आलस्यवश दूसरा टीका लगाने आगे नहीं आते तो केंद्र व राज्यों को मिलकर उन्हें प्रेरित करना चाहिए कि वे जितना जल्दी हो सके, दूसरा टीका लगा लें। इसके लिए केंद्र व राज्यों को मल्टी-मीडिया साधनों और जागरूकता अभियानों के जरिये लोगों को इस मुहिम में शामिल करने को प्रेरित किया जाना चाहिए। यदि इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग आगे नहीं आते तो इस बाबत चेतावनी भी देनी चाहिए। दरअसल, कुछ लोगों की लापरवाही सुरक्षा श्रृंखला को तोड़ सकती है और बड़ी समस्या की वजह बन सकती है। निस्संदेह, इस मामले में हम चूके हैं कि कोवैक्सीन को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाने में हम कामयाब नहीं हो सके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक से क्लीनिकल ट्रायल का विस्तृत ब्योरा मांगा है। इस बाबत तीन नवंबर को होने वाली बैठक में कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग के लिये मंजूरी से जुड़े जोखिम व लाभ पर विचार किया जायेगा। इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ की रीति-नीतियों पर भी सवाल उठता है कि बीते जुलाई में भारत बायोटेक द्वारा डाटा उपलब्ध कराये जाने के बावजूद अभी तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। विडंबना यह है कि इस टीके को लगाने वाले लाखों वे भारतीय भी हैं जो डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमति के इंतजार के कारण विदेश यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियां भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को कमजोर कर सकती हैं, जिसने हाल के महीनों में तेजी से प्रगति की है।

अफगानिस्तान में भुखमरी का संकट

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम होने के दो-ढाई महीने बाद वहां के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि देश की आधी आबादी भुखमरी और अकाल के कगार पर है। अफगानिस्तान की निर्वासित सरकार के कार्यकारी राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने भी देश में मानवीय संकट की ओर दुनिया का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा है कि देश में नब्बे फीसद जनसंख्या गरीबी के दलदल में फंस गई है। देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीड़ीपी) तीस फीसद गिर गया है। बैंक बंद हैं। नागरिक प्रशासन नाममात्र का है। प्रेस और मीड़िया पर नियंत्रण है। शरीयत के नाम पर महिलाओं को गुलामी में धकेल दिया गया है। सालेह के अनुसार देश में जो मानवीय सहायता कार्य चल रहा है, वह सरकार की बजाय स्वयंसेवी संगठन कर रहे हैं। सालेह का आरोप है कि देश का शासन तालिबान नहीं, बल्कि पाकिस्तान का सैन्य मुख्यालय चला रहा है। उनके अनुसार आतंकवादी गिरोह के रूप में तालिबान का समर्थन करना एक बात है, सरकार के रूप में तालिबान को कारगर बनाए रखना पाकिस्तान के बूते की बात नहीं है। दुनिया का सर्वाधिक शक्तिशाली देश अमेरिका हो या यूरोप के विकसित देश, सभी इस बात के गवाह हैं कि अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को हथियार के बलबूते खत्म करने के क्या परिणाम सामने आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अफगानिस्तान में आधी से ज्यादा आबादी यानी करीब ढाई करोड़ लोगों को अगले महीने नवम्बर से भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। शर्मनाक बात यह है कि अब वहां भुखमरी से बचने के लिए लोग अपने बच्चों को बेचने लगे हैं। आर्थिक विषय के जानकारों का मानना है कि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था का करीब तीन चौथाई हिस्सा विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहायता पर निर्भर करता है। गृह युद्धके बाद देश में जो अस्थिरता का दौर शुरू हुआ है, उसके कारण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहायता बाधित हो गईहै। जहां तक भारत का संबंध है, उसे अफगानिस्तान में राजनीतिक रूप से सक्रिय होने में कुछ समय लगेगा। हालांकि नई दिल्ली वहां मानवीय सहायता के लिए पहले की तरह आज भी प्रयत्नशील है। फिलहाल, उसकी प्राथमिकता आतंकवाद से देश को सुरक्षित रखना है।

मानवाधिकारों से वंचित बांग्लादेशी हिन्दू

डॉ. समन्वय नंद

पिछले दिनों सोशल मीडिया में लेटर्स फ्रॉम बांग्लादेश नामक एक ट्विटर हैंडल से एक वीडियो साझा किया गया था जो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक ब्राह्मण पंडाल में मां दुर्गा की पूजा करता हुआ दिख रहा है। लेकिन सामने जो मां दुर्गा की मूर्ति है उसे तोड़ दिया गया है। वही तोड़ दिये गये प्रतिमूर्ति के सामने बैठकर ब्राह्मण दुर्गा पूजा की आवश्यक रीति नीति को संपन्न कर रहा है। इस वीडियो के साथ जो बातें लिखी गई है, यदि उसका हिंदी में अनुवाद किया जाए तो कुछ इस तरह का होगा-

'मैं बांग्लादेश का अल्पसंख्यक हिन्दू हूं। दुर्गा पूजा मेरा सबसे बड़ा त्योहार है। मैं हर साल दुर्गा पूजा की प्रतीक्षा में रहता हूं, जब मैं जगद्जननी मां दुर्गा की उपासना करूंगा। लेकिन मेरी मूर्ति को इस्लामी गुंडों ने तोड़ दिया है। इसके बावजूद मैं मौन हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं इसका विरोध नहीं कर सकता। इस मामले में यदि मैं कुछ बोलता हूं तो वे मेरे परिवार पर हमला कर देंगे। मेरे घर को जला देंगे। हमारी संख्या यहां काफी कम है इसलिए मुझे इसे सहना होगा। यही कारण है कि मैं तोड़ी गयी मूर्ति के सामने ही मेरी पूजा संपन्न कर दी है।'

वास्तव में सोशल मीडिया में प्रसारित यह पोस्ट व वीडियो बांग्लादेश में हिन्दुओं की स्थिति को दर्शाती है। एक इस्लामिक देश में हिन्दुओं की स्थिति को समझने के लिए यह पोस्ट व वीडियो पर्याप्त है। बांग्लादेश में केवल पूजा पंडालों को ही नहीं तोड़ा गया, मंदिरों पर भी हमला किया गया है। हिन्दुओं के घर फूंक दिये गए। नोआखाली से लेकर कोक्स बाजार, कोमिला, फेणी आदि अनेक स्थानों से हिन्दुओं पर सुनियोजित हमले किये गये हैं। अनेक हिन्दुओं की हत्या कर दी गई है। हिंदु महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया है। हिंसा का सिलसिला लगातार कई दिनों तक बिना रुके चलता रहा। दशहरे के बाद भी हिंसा जारी रहने की सूचनाएं मिल रही हैं। दशहरे के दिन इस्लामी कट्टरपंथियों ने नोआखाली के प्रसिद्ध इस्कान मंदिर पर हमला किया। इस्कान मंदिर से जुड़े लोगों का कहना है कि शुक्रवार की नमाज के बाद लोगों की भीड़ ने अचानक आकर हमला बोल दिया। इस्कान के साधु-भक्तों ने इसका प्रतिरोध किया। मंदिर की मूर्तियां तोड़ी गई, धर्मग्रंथ जला दिया गया। प्रभुपाद की मूर्ति तक को नहीं छोड़ा गया। एक भक्त पार्थ दास का शव अगले दिन पास के तालाब से मिला। काफी नृशंस तरीके से उनकी हत्या की गई थी। उनके शरीर के कई हिस्से काट दिये गये थे। जिस तरह से हिंसा हुई मानो नोआखाली में 1946 की हिंसा को दोहराया जा रहा हो। दशहरे के बाद भी रंगपुर जिले से दो गांवों में हिन्दुओं के घरों व मंदिरों में आग लगाने की सूचना मिल रही है। हिन्दुओं की संपत्ति के साथ गाय-बैलों को भी जला दिया गया है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका से प्रकाशित होने वाले प्रमुख समाचार पत्र डेली स्टार ने अपने अखबार में चार साल के बच्चे आदित्य शाह की खबर प्रकाशित की है। अखबार का संवाददाता उसके घर में जाकर बातचीत करने के बाद खबर प्रकाशित की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार साल का मासूम आदित्य अपनी मां से बार-बार पूछ रहा है- मां, पिताजी कब आयेंगे। आदित्य के पिताजी जतन शाह दशहरे के दिन मंदिर में गये थे। जिहादियों ने उन्हें पीट-पीटकर मार डाला था। आदित्य की मां लकी कहती हैं कि 'मुझे में इतना साहस नहीं है कि मैं बेटे को बता सकूं कि तुम्हारे पिता अब कभी नहीं आयेंगे।' जतन ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति थे। उनकी हत्या के बाद आगे कैसे उनका परिवार चलेगा, इसे लेकर परिवार को चिंता सता रही है।

ये केवल एक आदित्य की बात नहीं है या फिर एक लकी की बात नहीं है। हाल ही में बांग्लादेश में हुई हिन्दू विरोधी हिंसा में ऐसे अनेक आदित्य अनाथ हो गये और ऐसे अनेक लकी हैं जो विधवा हो गई हैं। लेकिन उन्हें न्याय देने या फिर उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमला कई नई बात नहीं है। बांग्लादेश को हिन्दू विहीन करने के लिए इस्लामी शक्तियां इस तरह के काम लगातार करती आ रही हैं। इसके कारण बांग्लादेश में हिन्दू आबादी केवल आठ प्रतिशत ही बची है। इस मामले को लेकर इस्कान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिख कर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की टीम भेजने का अनुरोध किया था। बांग्लादेश की मेनस्ट्रीम मीडिया में इन हिन्दू विरोधी हिंसा की सही रिपोर्टिंग नहीं हो रही थी । ऐसे में बांग्लादेश हिन्दू युनिटी काउंसिल व इस्कान बांग्लादेश अपने अपने ट्वीटर हैंडल से हिन्दू विरोधी हिंसा से जुड़े फोटो, वीडियो व अन्य सूचनाएं जारी कर रहे थे। इससे शेष विश्व में जानकारी मिल पा रही थी। लेकिन ट्विटर ने इन दोनों संस्थानों के ट्विटर अकाउंट को सस्पेंड कर दिया। बांग्लादेश का सच पूरे विश्व के सामने लाने वाले इन हैंडलों को बंद कर दिया गया।

ट्विटर हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बातें करता है लेकिन वास्तव में उसकी सच्चाई क्या है, उसने इस कदम से स्पष्ट कर दिया। इससे एक बात और प्रमाणित हो गई कि हिन्दुओं का मानवाधिकार नहीं होता। हिन्दुओं पर अत्याचार हो, उसे रोकने के लिए कार्रवाई नहीं होगी। यदि कोई वास्तविकता को सामने लाने का प्रयास करेगा तो उसका ट्विटर हैंडल को बंद कर उस चुप करा दिया जाएगा।

फिलिस्तीन में सामान्य तौर पर कुछ होने पर तख्तियां लेकर सड़कों पर आ जाने वाले लोग भी बांग्लादेश के हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर मौन हैं। बांग्ला अस्मिता की बात करने वाली ममता भी चुप हैं। अपने आप को मानवाधिकारों के ठेकेदार बताने वाले भी लगता है गहरी निद्रा में हैं। बांग्लादेशी हिन्दुओं की चीखें राष्ट्र संघ के मानवाधिकार संगठन को भी सुनाई नहीं दे रही है। बांग्लादेशी हिन्दुओं की शायद यही नियति है।

> बांग्लादेशी हिन्दुओं की चीखें राष्ट्र संघ के मानवाधिकार संगठन को भी सुनाई नहीं दे रही है। बांग्लादेशी हिन्दुओं की शायद यही नियति है।

विषमता का समाज

समस्या के समाधान की ईमानदार कोशिश हो

विश्वनाथ सचदेव

खबर यह नहीं है कि पेट्रोल और डीज़ल के भाव सौ रुपये प्रति लीटर से ऊपर चले गये हैं, खबर यह है कि ये भाव लगातार बढ़ रहे हैं और आम आदमी यह मानकर बैठ गया है कि ये भाव डेढ़ सौ तक जायेंगे ही। आये दिन खबरिया टी.वी. चैनल पेट्रोल पम्पों पर दुपहिये वालों, चारपहियों वालों से यह पूछ रहे हैं कि घर के बजट का क्या हाल है, और ऐसे हर सवाल के जवाब में यह सुनकर चुप हो जाते हैं कि 'परेशानी तो हो रही है, पर क्या करें?' ये दो शब्द 'क्या करें' देश की जनता की विवशता और असहायता के पर्यायवाची हैं। लगातार बढ़ती महंगाई से मध्य वर्ग सबसे ज़्यादा पिस रहा है, पर इसके बावजूद यही वह वर्ग है जो अपने आपको सबसे ज़्यादा असहाय मससूस कर रहा है।

आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले एक साल में जीडीपी अर्थात सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में मध्यवर्गीय परिवारों का कर्ज 35 से 37 प्रतिशत हो गया है। जीवनयापन के हर मद में पिछले दो सालों में, यानी महामारी के दौर में, कल्पनातीत बढ़ोतरी हुई है। यह सर्वविदित है कि महामारी के परिणामस्वरूप लागू किये गये लॉकडाउन के चलते करोड़ों लोगों के धंधे चौपट हो गये, फैक्टरियां बंद हो गयीं, कारखानों पर ताले लग गये, नौकरियां छिन गयीं, वेतन में कटौती हो गयी... अब कहा जा रहा है कि स्थिति सुधर रही है, और यह डर तलवार की तरह सिर पर लटक रहा है कि सुधरते-सुधरते बहुत देर न हो जाये!

सच पूछा जाये तो देर तो हो चुकी है, और स्थिति की भयावहता इस बात से और बढ़ गयी है कि स्थिति सुधारने की जम्मिेदारी जिन पर है, वे स्थिति की गंभीरता को न समझ रहे हैं, न समझना चाहते हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने बयान दिया था कि पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतों से देश के सिर्फ पांच प्रतिशत नागरिक प्रभावित हो रहे हैं, शेष 95 प्रतिशत के जीवन पर इस महंगाई का कोई असर नहीं पड़ रहा!

हाल ही में वैश्विक भूख सूचकांक भी जारी हुआ था। एक वैश्विक गैर सरकारी संगठन कुछ तय आधारों पर दुनिया भर के देशों में 'भूख' के स्तर का आकलन करता है। उम्मीद की जाती है कि संबंधित सरकारें इसके आधार पर अपनी रीति-नीति में परिवर्तन करेंगी। पिछले साल भूख के सूचकांक की सूची में हमारे भारत का स्थान 94वें था। इस साल 121 देशों की इस सूची में भारत फिसल कर 101वें स्थान पर पहुंच गया है। यानी साल भर की 'प्रगति रिपोर्ट' यह है कि देश में भूखे रहने वालों की संख्या और बढ़ गयी है। जब भी कोई वैश्विक संगठन ऐसा कोई आंकड़ा सामने रखता है, जिसमें पहले से कुछ बेहतर स्थिति का संकेत हो तो हमारे नीति-निर्माता, सरकारी पक्ष के नेता, उसे सिर पर उठा लेते हैं। पर, भूख के यह आंकड़े जब सामने आये तो हमारी सरकार ने यह कह कर पल्ला झाड़ लिया कि यह सर्वेक्षण अवैज्ञानिक आधार पर हुआ है, देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त में खाद्यान्न देने वाली सरकार पर स्थिति की अनदेखी का आरोप कैसे लग सकता है? ग़लत है ये आंकड़े! इसके साथ ही यह भी जोड़ दिया गया है कि इसके पीछे भारत को बदनाम करने की अंतर्राष्ट्रीय चाल है!

लेकिन, क्या इससे कुपोषण से त्रस्त देश के बच्चों की भूख मिट जायेगी? अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न देना अच्छी बात है, पर सवाल यह भी उठता है कि ऐसी स्थिति ही क्यों आयी? ऐसे सवालों के उत्तर सही नीतियों की मांग करते हैं, उनके ईमानदार क्रियान्वयन की मांग करते हैं। आंकड़ों को झूठा कहने से बात नहीं बनेगी।

कोरोना ने सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। पर अब, जबकि स्थितियां कुछ बेहतर लग रही हैं, यह सोचने की आवश्यकता है कि सुधरने की गति और दिशा क्या हो। लॉकडाउन के दौरान जब करोड़ों लोग शहरों से अपने गांवों की ओर लौट रहे थे, कई राज्य सरकारों ने घोषणाएं की थीं कि अब राज्य में ही उनके रोज़गार की व्यवस्था की जायेगी। शहरों की ओर लौटते बेरोज़गारों की कतारें बता रही हैं कि ऐसी कोई व्यवस्था हुई नहीं। कश्मीर में मूंगफली और गोलगप्पे बेच कर रोटी कमाने वाले बिहारी की हत्या इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उसके अपने राज्य में रोज़गार की स्थिति इतनी कमाने लायक भी नहीं है।

आज देश के दो-तिहाई वर्ग को बेहतर ज़िंदगी देने के लिए ठोस और सार्थक योजनाओं की आवश्यकता है। सबसे ऊंची मूर्ति, सबसे ज्यादा हवाई अड्डे, सबसे शानदार मॉल, सबसे आकर्षक पर्यटन-केंद्र, सबसे भव्य संसद भवन... यह सब भी चाहिए देश को। पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। हर जगह राजनीतिक दल मुफ्त बिजली-पानी आदि देने के वादे कर रहे हैं, लेकिन देश की पहली आवश्यकता भूख मिटाने की है, गरीबी कम करने की है। बच्चों को अच्छी शिक्षा चाहिए, युवाओं को रोज़गार चाहिए। आम नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य-व्यवस्था चाहिए। नारे, दावे और वादे नहीं, समस्या को पहचान कर निदान की ईमानदार कोशिश करने वाला नेतृत्व चाहिए। काश! यह सब हो सके।

कटाक्ष/कबीरदास

नाम बदल जाएगा

विरोधी कुछ भी कहते रहें, सारी दुनिया तो मान रही है कि मोदी जी ने नये इंडिया को विश्व गुरु बना दिया है। बात अब सिर्फ मानने-मनवाने तक नहीं रही। बाकी दुनिया बाकायदा भारत से गुरुमंत्र ले रही है; गुरु मानकर भारत को फॉलो कर रही है। फॉलो भी सोशल मीडिया वाला नहीं, गुरुकुल वाला। गुरु ने गुर दिया कि मुश्किल सवाल सामने हों और कोई जवाब न देते बने, तो नाम बदल डालो। किसी संस्था, शहर, स्टेशन, सड़क, स्टेडियम, योजना, पुरस्कार, किसी का भी बदलो, पर नाम बदल डालो। टॉप लेवल से चेलों ने नाम बदलना शुरू भी कर दिया है। सुना नहीं, दुनिया की टॉप डिजिटल कंपनी, फेसबुक ने अपना नाम ही बदल कर मेटा कर दिया है। नाम ही नहीं होगा, बदनाम कौन होगा?

अब प्लीज ऐसी बचकानी दलील कोई नहीं दे कि फेसबुक ने नाम जरूर बदला है, पर मोदी जी के नये इंडिया को फॉलो करने की बात तो कही ही नहीं है। पश्चिम वाले इतनी आसानी से किसी और को अपना गुरु मानेंगे और वह भी इंडिया को जिस पर उन्होंने सैकड़ों साल राज किया था! पर किसी के गुरु मानने न मानने से क्या होता है?

सारी दुनिया जानती है कि मुश्किल का मुकाबला करने के लिए नाम बदलने का गुरु नये इंडिया ने ही दुनिया को दिया है और अब फेसबुक वाले मोदी जी के उसी गुर को आजमा रहे हैं। वैसे मन ही मन फेसबुक वाले भी इसका शक्र मना रहे होंगे कि मोदी जी ने अपने इस गुर को पेटेंट नहीं कराया। वरना झख मारकर, उन्हें नये इंडिया का गुर आजमाने की बात कबूल करनी पड़ती। भारत के गुर का इस्तेमाल करने के लिए रॉयल्टी देनी पड़ती सो ऊपर से। फिर भी मोदी जी ने पेटेंट नहीं कराया।

विश्व गुरु पेटेंट के दावों के मोहताज थोड़े ही होते हैं। और ये क्या दलील हुई कि सिर्फ फेसबुक की कंपनी का नाम बदला है, बाकी फेसबुक, व्हाट्सऐप सब जैसे के तैसे रहेंगे। नाम बदला है, पर पब्लिक के लिए नहीं। फिर इस नाम बदलने में धर्म का कोई एंगल तो है ही नहीं। सीखेंगे, धीरे-धीरे वह भी सीखेंगे। अभी तो शुरुआत है। विश्व को गुरु से अभी वो गुर तो सीखने हैं।

मुद्दा

पारिवारिक संबंधों से जुड़ा है स्वास्थ्य

भारत डोगरा

हालांकि पारिवारिक संबंधों की प्रगाढ़ता के महत्व के बारे में व्यापक समझ है, पर विशेष तौर पर इन संबंधों के मनुष्य के स्वास्थ्य पर असर के बारे में सामान्य स्तर पर कम जानकारी उपलब्ध है। इस संदर्भ में अमेरिका के कुछ अनुसंधानकर्ताओं (मिशिगन और नेवेडा विश्वविद्यालय) ने कुछ समय पहले महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है। इस अनुसंधान में 373 विवाहित जोड़ों का 16 वर्षों तक अध्ययन किया गया। इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली अनुसंधानकर्ता रोजी शॉर्ट ने बताया है कि पति-पत्नी के संबंध बिगड़ने पर पति और पत्नी, दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पडता है, हालांकि पुरुषों में यह असर महिलाओं से अधिक पाया गया।

इस अध्ययन के अनुसार संबंध बिगड़ने पर यह असर सूजन, भूख मर जाने और तनाव के हार्मोन की रिलीज (उत्सर्जन) के रूप में अधिक सामने आता है। इसका प्रतिकूल असर हृदय संबंधी स्वास्थ्य समस्या और प्रतिरोधक क्षमता कम होने जैसे गंभीर परिणामों के रूप में भी देखा जा सकता है। एसेक्स विश्वविद्यालय के प्रो. वी. लावारो ने इस प्रतिकूल असर के दीर्घकालीन पक्षों की ओर ध्यान दिलाया है। यह प्रतिकूल असर यदा-कदा या कम होने वाले झगड़ों से उत्पन्न नहीं होते पर निरंतर बने रहने वाले तनावों से अधिक जुड़े हैं।

ये स्वास्थ्य समस्याएं कितनी गंभीर होंगी, यह इस पर निर्भर होगा कि झगड़े कितने लंबे खिंचते हैं और गंभीर होते हैं और कितनी निरंतरता से होते हैं। पति-पत्नी के झगड़ों का उनके स्वास्थ्य पर जितना प्रतिकूल असर पड़ता है, उससे भी अधिक प्रतिकूल असर उनके बच्चों पर पड़ सकता है। वजह यह है कि बच्चों का प्रायः माता-पिता, दोनों से बहुत प्यार होता है, वे दोनों का सम्मान करते हैं और उन दोनों को एक साथ देखकर, उनके अच्छे संबंधों को देखकर और महसूस कर बच्चों को बहुत भला लगता है और वे इन संबंधों की छांव में अपने को सुरक्षित और खुशहाल महसूस करते हैं। दूसरी ओर यदि वे माता-पिता को बार-बार झगड़ते हुए देखते हैं या एक-दूसरे को अपमानित करते हुए देखते हैं तो इसका बच्चों के मानसिक और शारीरिक, दोनों तरह के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पडता है। वयस्कों की अपेक्षा बच्चों के लिए इस प्रतिकूल स्थिति को समझना और संभालना अधिक कठिन होता है।

झगड़ते हुए कई बार माता-पिता के मन में रहता है कि बाद में स्थिति संभाल लेंगे, पर बच्चे के पास ऐसा कोई आश्वासन, ऐसी कोई निश्चित दिलासा प्रायः नहीं होती है। माता-पिता की अपेक्षा बच्चे के मन में अनिश्चय अधिक होता है और उस पर अधिक मनोवैज्ञानिक प्रतिकूल असर पड़ता है और असर बहुत दीर्घकालीन होता है। इसका उनकी शिक्षा और कॅरियर पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। फ्रेडरिक टेटमेन के अध्ययन के अनुसार इस कारण बच्चों के जीवन की आयु कम होती है। ब्रिटेन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सवाक्षण ने इस बारे में एक दीर्घकालीन अध्ययन किया, जिसे महत्वपूर्ण माना गया है। इसमें माता-पिता के गंभीर झगड़ों वाले परिवारों के बच्चों को बड़े होने तक अध्ययन के दायरे में रखा गया। अध्ययन से पता चला कि यदि इन बच्चों की तुलना अन्य मामलों में समान स्थिति के उन परिवारों के बच्चों से की जाए जहां माता-पिता के संबंध अच्छे या ठीक-ठाक हों, तो इन बच्चों (झगड़ों वाले परिवारों के बच्चों) की प्रायः शिक्षा और रोजगार में उपलब्धि कम पाई गई। उनमें शराब का सेवन करने और धूम्रपान की प्रवृत्ति भी अधिक पाई गई। उनमें आत्मविश्वास की कमी और क्रोध की अधिकता भी देखी गई। आपराधिक प्रवृत्ति भी अधिक देखी गई। जिन बच्चों को माता-पिता के तलाक के कारण अलग होने के बाद सौतेले पिता या माता के पास रहना पड़ा, ऐसे मामलों में बच्चों पर प्रतिकूल असर की प्रवृत्ति और भी ज्यादा देखी गई।

मन्नू भंडारी के विख्यात उपन्यास 'आपका बंटी' में ऐसे बच्चों के दर्द का मार्मिक चित्रण मिलता है। जहां शराब के नशे के कारण माता-पिता में झगड़े होते हैं तो उनमें मारपीट की संभावना भी अधिक होती है और गाली-गलौज भी। ये झगड़े बच्चों के लिए सबसे हानिकारक हो सकते हैं, विशेषकर लड़कियों के लिए, और ऐसे अन्य झगड़ों के समय बच्चों से भी हिंसा हो जाती है। यदि बच्चों पर उनके अभिभावक गंभीर तरह की हिंसा करते हैं तो उनको होने वाली पीड़ा के अतिरिक्त उन्हें इससे कहीं अधिक गंभीर मानसिक क्षति पंहुच सकती है। इन मुद्दों की गंभीरता को समझते हुए पारिवारिक संबंधों में वैमनस्य कम करने के लिए और इन संबंधों में सुधार के लिए सतत प्रयास व्यक्तिगत और सामाजिक, दोनों स्तरों पर होने चाहिए।

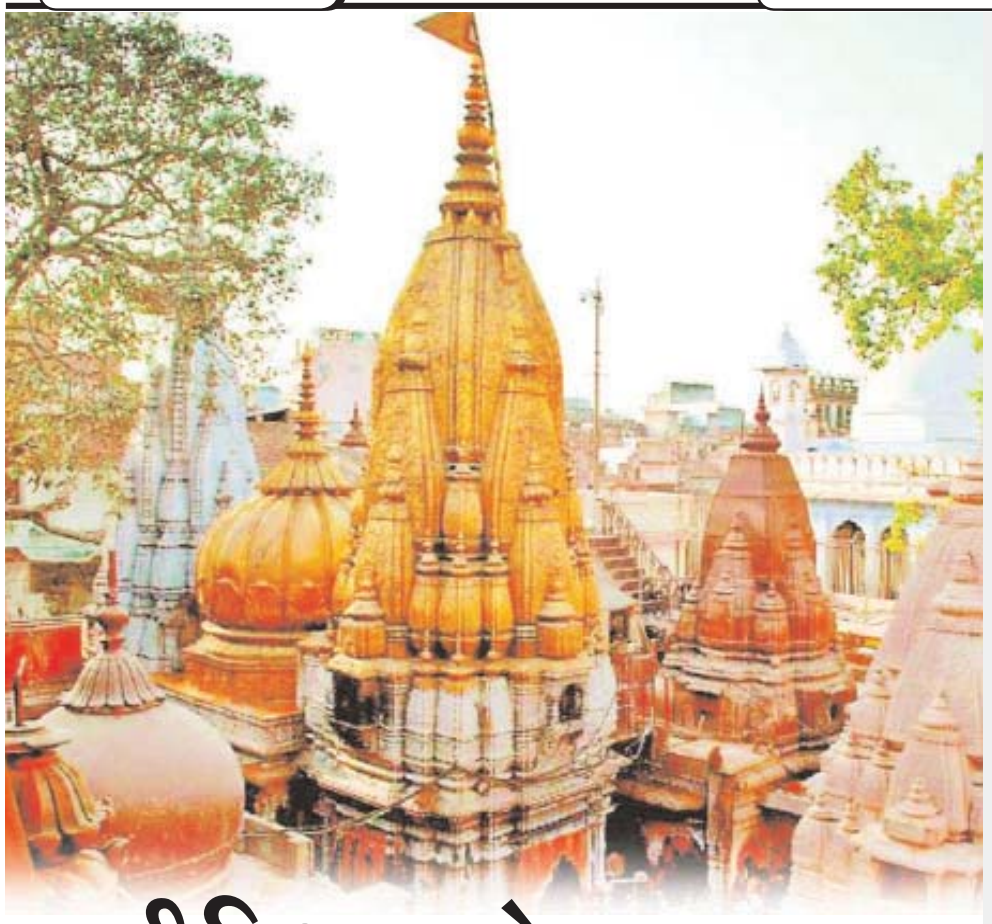

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलतः पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि ग्रह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

अक्टूबर में बढ़ी टोयोटा किर्लोस्कर की बिक्री, कुल मिला कर बेचे इतने वाहन

बिजनेस डेस्क :

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने रविवार को कहा कि अक्टूबर महीने में उसकी घरेलू थोक बिक्री में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई और उसने कुल 12,440 वाहन बेचे। टीकेएम ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल इसी महीने घरेलू बाजार में 12,373 इकाइयों की बिक्री दर्ज की थी। टीकेएम के एसोसिएट महाप्रबंधक (एजीएम) (बिक्री एवं रणनीतिक विपणन) वी डब्ल्यू सिगामणि ने कहा, ÷बाजार में मांग पिछले कुछ महीनों में मजबूत रही है। दबी मांग और कई अन्य वजहों से मांग बढ़ी है। ग्राहकों के ऑर्डर भी लगातार बढ़ रहे हैं, कोविड से पहले के समय की तुलना में मांग के रुझान में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है।÷ उन्होंने साथ ही कहा कि अक्टूबर के महीने में कंपनी सितंबर, 2021 की तुलना में बिक्री 34 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

पीमएमसी बैंक के ग्राहकों को पहले चरण में नहीं मिलेगा पांच लाख रुपये का बीमा कवर

नयी दिल्ली.

पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक (पीएमसी बैंक) के चिंतित ग्राहकों को पहले चरण में पांच लाख रुपये तक का बीमा कवर नहीं मिलेगा। इसकी वजह है कि यह बैंक अभी समाधान प्रक्रिया में है। जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) पहली खेप में पीएमसी बैंक को छोड़ कर समाधान प्रक्रिया से गुजर रहे 20 बैंकों के ग्राहकों को भुगतान करेगा। पहले चरण में भुगतान के लिए 90 दिनों की अनिवार्य अवधि 30 नवंबर को समाप्त होगी। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून में सेंट्रम फाइनेंशियल सर्विसेज और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की स्टार्टअप भारतपे के गठजोड़ को संकट में फंसे पीएमसी बैंक के अधिग्रहण की अनुमति दी थी। इस अधिग्रहण का रास्ता साफ करते हुए रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में वित्तीय सेवा कंपनी के गठजोड़ को लघु वित्त बैंक का लाइसेंस दिया था। डीआईसीजीसी ने हाल में कहा था कि जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (संशोधन) अधिनियम, 2021 की धारा 18 ए (7) (ए) के प्रावधानों को लागू करने की आवश्यकता हो सकती है। इन प्रावधानों के तहत यदि कोई बैंक समाधान प्रक्रिया के अधीन है, तो पांच लाख रुपये के भुगतान की अवधि को 90 दिनों के लिए और बढ़ाया जा सकता है।

एक हजार मेगावॉट की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए निविदा निकाल सकती है एसईसीआई

नयी दिल्ली,

भारतीय सौर ऊर्जा निगम लि. (एसईसीआई) एक पायलट परियोजना के रूप में 1,000 मेगावॉट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की स्थापना के लिए नवंबर में निविदा जारी कर सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले अक्टूबर में, एसईसीआई ने 1,000 मेगावॉट बीईएसएस की खरीद के लिए रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किया था। बिजली सचिव की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर, 2021 को विद्युत, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा एसईसीआई ने संयुक्त रूप से हितधारकों के साथ एक विचार-विमर्श का आयोजन किया था। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, बैठक में बैटरी निर्माताओं, प्रणाली का एकीकरण करने वालों और वित्तपोषण एजेंसियों सहित विभिन्न हितधारकों की अच्छी भागीदारी देखी गयी। इससे यह बात पता चलती कि भारत सरकार ने 4,50,000 मेगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने को लेकर सही दिशा में कदम उठाए हैं।

1 महीने के बाद बाजार में फिर लौटने जा रही रौनक, इन कंपनियों के आएंगेआईपीओ

बिजनेस डेस्क। करीब एक महीने के अंतराल के बाद प्राथमिक बाजार की रौनक फिर लौटने जा रही है। नवंबर के पहले पखवाड़े में पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस और पॉलिसीबाजार की मूल कंपनी पीबी फिनटेक सहित पांच कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आ रहे हैं। इन आईपीओ से 27,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटने की उम्मीद है। इस दौरान जिन तीन अन्य कंपनियों के आईपीओ आने हैं उनमें केएफसी और पिज्जा हट का परिचालन करने वाली सफायर फूड्स इंडिया, एसजेएस एंटरप्राइज और सिगाची इंडस्ट्रीज शामिल हैं। अभी सौंदर्य और वेलनेस उत्पादों के ऑनलाइन मार्केटप्लेस नायका का परिचालन करने वाली एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स लि. और फिनो पेमेंट्स बैंक के आईपीओ खुले हुए हैं। नायका का आईपीओ एक नवंबर और फिनो पेमेंट्स बैंक का आईपीओ दो नंवबर को बंद होगा। नायका को आईपीओ से 5,352 करोड़ रुपये और फिनो पेमेंट्स बैंक को 1,200 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। कुल मिलाकर इन सातों कंपनियों के आईपीओ से 33,500 करोड़ रुपये जुटने की उम्मीद है। इनसे पहले 29 सितंबर को आदित्य बिड़ला एएमसी का 2,778 करोड़ रुपये का आईपीओ आया था। लर्नऐप.कॉम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रतीक सिंह ने कहा, ''तेजड़िया बाजार में आईपीओ लाने वाली कंपनियों को अपने कारोबार पर बेहतर प्रीमियम और मूल्यांकन मिलने की उम्मीद होती है।'' उन्होंने कहा कि विशेषरूप से प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों को बेहतर प्रीमियम मिल रहा है। इस साल 2021 में अभी तक 41 कंपनियों ने आईपीओ से 66,915 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनके अलावा पावरग्रिड कॉरपोरेशन द्वारा प्रायोजित पावरग्रिड इनविट ने आईपीओ से 7,735 करोड़ रुपये और ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट ने आईपीओ से 3,800 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

आधार ईकेवाईसी के जरिये भी अटल पेंशन योजना से जुड़ सकते हैं ग्राहक : पीएफआरडीए

नयी दिल्ली, पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए ने अतिरिक्त विकल्प के रूप आधार ईकेवाईसी के जरिये अटल पेंशन योजना के ग्राहकों को जोड़ने की अनुमति दे दी है। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने यह कदम अटल पेंशन योजना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए उठाया है। पीएफआरडीए वर्तमान में ग्राहकों को भौतिक, नेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल तरीकों से योजना से जुड़ने का विकल्प दे रहा है। पीएफआरडीए ने एक अधिसूचना में कहा, ''योजना की पहुंच को बढ़ाने और प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) आधार ईकेवाईसी के रूप में एक अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगी। यह प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल होगी।'' इसके अलावा पीएफआरडीए ने कहा कि सभी अटल पेंशन योजना के खातों को आधार कार्ड से जोड़ा जाएगा। आधार को अटल पेंशन योजना से जोड़ने के लिए सीआरए एजेंसी एक प्रक्रिया तैयार करेगी।

ज्यादतर भारतीय कंपनियां 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि करेंगी : सर्वेक्षण

नयी दिल्ली, साइबर खतरे को देखते हुए देश की लगभग 80 प्रतिशत कंपनियां वर्ष 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि कर सकती हैं। वैश्विक सलाहाकार कंपनी पीडब्ल्यूसी ने अपने एक सर्वेक्षण में यह बात कही। पीडब्ल्यूसी के 'डिजिटल ट्रस्ट इनसाइट्स-2022' सर्वे के अनुसार, जोखिम का खतरा लगातार बढ़ रहा है और कंपनियां अपने जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए साइबर सुरक्षा में पहले से कहीं अधिक निवेश कर रही हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, कई कंपनियों ने अपने साइबर जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए कई साइबर सुरक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। सर्वेक्षण के अनुसार, ''सर्वेक्षण में 82 प्रतिशत कंपनियों ने 2022 में अपने साइबर सुरक्षा बजट में वृद्धि की संभावना जताई है। इसके अलावा देश में 41 प्रतिशत कंपनियां 2022 में अपने साइबर बजट में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं।'' इस सर्वेक्षण में वैश्विक स्तर 3,602 व्यवसाय, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा एवं अन्य क्षेत्रों के सुरक्षा कार्यकारियों की राय ली गई। इनमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), कॉरपोरेट निदेशक, मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) आदि शामिल हैं। सर्वेक्षण के भारतीय संस्करण में 109 कार्यकारियों की राय ली गई।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अच्छा बिजनेस कर रहे ओडीओपी प्रोडक्ट

लखनऊ।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर करीब 1,000 करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 2 करोड़ एक जिला-एक प्रोडक्ट (ओडीओपी) आइटम बेचे गए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश के लाखों छोटे कारीगरों और शिल्पकारों को फायदा हुआ है। कोविड - 19 महामारी 2020-21 के दौरान मार्केटप्लेस बड़े पैमाने पर बंद रहे ई-कॉमर्स वेबसाइटों ने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बाजारों और उपभोक्ताओं के बीच एक लिंक बनाया है। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार सहित ओडीओपी उत्पादों के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइटों के साथ एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत काला नमक चावल जैसे उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेचा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल फॉर वोकल मंत्र के तहत, ई-कॉमर्स वेबसाइटें अत्यधिक फायदेमंद साबित हुई हैं, खासकर महामारी के दौरान जहां अधिक लोग ऑनलाइन मार्केटप्लेस में ट्रैन्स्फर हुए है। 2018 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक प्रमुख कार्यक्रम ओडीओपी योजना के तहत लाखों लोगों को इससे काफी फायदा हुआ है। सरकार ने 2020 में फ्लिपकार्ट के साथ ओडीओपी उत्पादों को वेबसाइट पर बेचने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, पहले ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजॅन के साथ एग्रीमेंट किया था। ओडीओपी के तहत 20,000 से अधिक उत्पाद प्लेटफॉर्म पर बेचे जाते हैं। ओडीओपी योजना 2018 में प्रत्येक जिले से एक विशेष उत्पाद की पहचान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी ताकि उद्योग को बढ़ावा देने और कारीगरों की मदद करने के लिए इसे बेहतर तरीके से प्रमोटेड, पैकेज्ड और मार्केटिंग किया जा सके। वर्तमान में कुछ जिले ऐसे हैं जहां लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

कश्मीर : दुनिया के लिए सेब की टोकरी वाली जमीन

श्रीनगर/नई दिल्ली।

कश्मीरी सेब (सौवें) का इतिहास में कई बार उल्लेख किया गया है, सातवीं शताब्दी में एक चीनी तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग ने इस फल की मिठास के बारे में गीत लिखा और गाया था। कश्मीर के काफी ऊंचाई वाला समशीतोष्ण क्षेत्र को आदर्श फलों की खेती की भूमि के रूप में जाना जाता है। घाटी में अपने शासनकाल के दौरान, सुल्तान जैन-उल-अबिदीन (15 वीं शताब्दी) ने कई फलों के ग्राफ्ट आयात किए और उन्हें उगाने के लिए बाग लगाए। राजतरंगनी में कल्हण का ऐतिहासिक विवरण साबित करता है कि घाटी में सेब की खेती एक ऐसा मामला है जो 3,000 साल से अधिक पुराना है। 1,000 ईसा पूर्व में राजा नारा ने जरूरतमंदों के लिए पर्याप्त भोजन और छाया के लिए सड़कों, कृषि भूमि और जंगलों पर फल उगाने के लिए कहा। फलों की कई जंगली प्रजातियां अपनी प्राचीनता और घाटी के साथ संबंधों का संकेत देती हैं। आज सेब कश्मीर का पर्याय हैं, घाटी दुनिया की सेब की टोकरी है, जिसमें फलों की 113 किस्में उगाई जाती हैं। बागवानी घाटी के प्रमुख उद्योगों में से एक है - विशेष रूप से सेब उद्योग, जो कश्मीरी आबादी के 55 प्रतिशत के लिए आय का एक साधन है, जिससे सालाना 1,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन उच्च घनत्व वाले बागों को स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो बेहतर उपज किस्म के साथ अधिक पौधों को समायोजित करते हैं - ग्रेड-ए गुणवत्ता वाले सेब। कई जिलों ने हाल ही में परिदृश्य में बदलाव देखा है, ईंट भट्ठा बनाने वालों और धान के खेतों की सैकड़ों एकड़ जमीन को किसानों की मदद के लिए सेब के बागों में तब्दील कर दिया गया है। सरकार ने किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी के साथ संयंत्र और बुनियादी ढांचा स्थापित करने में मदद की है और कटिंग, प्रूनिंग, ग्रेडिंग आदि जैसे विषयों पर मुफ्त परामर्श दिया है। ये किसान सेब की फसल के लिए प्रति कनाल शिफ्टिंग में लगभग 1 लाख रुपये कमा रहे हैं। बागवानी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन घाटी के इस मीठे राजा को पैदा करने में किसानों की मदद करने के लिए नई वैज्ञानिक तकनीकों और तरीकों को बढ़ावा दे रहा है। वे यूरिया छिड़काव उद्देश्य, खुराक और समय जैसे विषयों पर उत्पादकों को शिक्षित करने, फसल रोगों पर गलत धारणाओं को दूर करने और उपज में एकरूपता लाने के लिए मुफ्त ज्ञान केंद्र स्थापित कर रहे हैं। सरकार ने ट्रैक्टर और स्प्रेयर जैसी कृषि मशीनों और प्रशिक्षित किसानों को विपणन और पैकेजिंग की जानकारी प्रदान की है। इसने उद्योग की आर्थिक रूपरेखा को बदल दिया है। आर्थिक मूल्य के अलावा, धान के खेतों को अधिक उपज वाले सेब के बागों में बदलने से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। एक साल पहले केंद्र सरकार ने बागवानी क्षेत्र के लिए एमआईएस (विपणन हस्तक्षेप योजना) को मंजूरी दी थी, जो सेब किसानों को इष्टतम मूल्य और अर्थव्यवस्था को आवश्यक प्रोत्साहन सुनिश्चित करने के लिए जारी है। यह बीमा कवर भी प्रदान करता है, जिससे किसानों की आय स्थिर होती है। चूंकि इस योजना के तहत 12 एलएमटी (लाख मीट्रिक टन) सेब का उत्पादन किया जा सकता है, परिवहन, बगीचों की सफाई, लेबलिंग और वर्गीकरण जैसी सहायक सेवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। सितंबर 2019 में शुरू की गई टकर योजना की सेब किसानों ने सराहना की क्योंकि यह अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद घाटी में अशांति के बाद आशा की किरण थी। घाटी में कोल्ड स्टोरेज की सुविधा भी किसानों के लिए वरदान साबित हुई है - नुकसान को काफी हद तक कम किया गया है। कीमतों को एक सुंदर सीमा पर स्थिर किया गया है। 10 किलो सेब का डिब्बा गुणवत्ता के आधार पर 1,000 रुपये से 1,800 रुपये के बीच कहीं भी बिक जाता है। शोपियां, पुलवामा, लसीपोरा और उत्तर के कुछ अन्य क्षेत्रों में स्थित कोल्ड स्टोरेज में 2.5 एलएमटी सेब तक स्टोर किया जा सकता है। अब सेब सीधे राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) द्वारा उत्पादकों/एग्रीगेटर्स से इष्टतम कीमतों पर खरीदे जाते हैं और भुगतान बैंक के माध्यम से पार्टियों को तुरंत किया जाता है। बिचौलियों के बिना, भुगतान में देरी नहीं होने, और संकटग्रस्त बिक्री में कमी के कारण, किसान अपने बागों पर तनाव मुक्त ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

सर्राफा कारोबारियों को धनतेरस पर आभूषणों की बिक्री अच्छी रहने की उम्मीद

बिजनेस डेस्क।

भारतीय आभूषण बाजार में पुनरुद्धार के बीच सर्राफा कारोबारी इस साल धनतेरस पर जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहे हैं। कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के कम होने के साथ त्योहारी सीजन को लेकर लोगों में जोश है और साथ ही इस समय में सोने की कीमतों में नरमी है। ऐसे में आभूषण बाजार में रौनक रहने की उम्मीद है। आभूषण उद्योग के एक निकाय ने कहा कि उम्मीद है कि इस साल त्योहारों पर आभूषणों की बिक्री 2019 के कोविड-पूर्व के स्तर पर पहुंच सकेगी। इसकी वजह इस समय 10 ग्राम सोने की कीमत 46,000-47,000 रुपये प्रति 22 कैरेट का होना है जो 2020 की तुलना में करीब पांच प्रतिशत कम है। साथ ही अब शादी-ब्याह आयोजनों में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अध्यक्ष आशीष पेठे ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'चूंकि नवरात्रि के बाद से बाजार में मांग दिख रही है। यह धनतेरस पर भी जारी रहेगी। इस साल महामारी के नियंत्रण में होने, सोने की कीमतें कम होने और शादी का सीजन तेज होने के साथ त्योहार को लेकर जोश बना हुआ है। इस साल अक्टूबर-नवंबर के महीनों की बिक्री पूरे साल की बिक्री में 40 प्रतिशत का योगदान देगी।'रत्न और आभूषण उद्योग के शीर्ष घरेलू निकाय को उम्मीद है कि 2021 में उद्योग-2019 के महामारी पूर्व के स्तर पर लौट आएगा। हालांकि, सोने की कीमत 2019 के स्तर से लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स लि. के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुवेन्कर सेन ने कहा, 'बिक्री के

पिछले साल की तुलना में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कोविड-19 पूर्व के स्तर पर वापस आने की उम्मीद है। दो साल की मानसिक चिंता और चुनौतियों के बाद, ग्राहक खर्च करना चाहते हैं तथा अपनी खुशी और संपत्ति निर्माण के लिए आभूषणों में निवेश करना चाहते हैं।'

एनटीपीसी ने 9.3 लाख टन बायोमास पेलेट का ऑर्डर दिया

नयी दिल्ली,

सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने विद्युत संयंत्रों में 'को-फायरिंग' के लिए 9,30,000 टन बायोमास पेलेट का ऑर्डर दिया है जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। बायोमास पेलेट बायोमास ईंधन का एक प्रकार हैं जो आमतौर पर लकड़ी के अपशिष्ट, जंगलों से मिलने वाले अवशिष्ट आदि से बनाया जाता हैं। वहीं को-फायरिंग का मतलब बिजली के उत्पादन के लिए कोयले और बायोमास ईंधन के मिश्रण के दहन से है। बिजली मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि इसके अलावा हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश अपने विद्युत संयंत्रों में को-फायरिंग के लिए 13,01,000 टन बायोमास पेलेट खरीद रहे हैं। बिजली सचिव आलोक कुमार ने 28 अक्टूबर को ताप विद्युत संयंत्रों में बायोमास को-फायरिंग की स्थिति की समीक्षा बैठक की थी। बैठक में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि, राष्ट्रीय जैव मिशन के मिशन निदेशक और विद्युत मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। बैठक में यह सामने आया कि बिजली मंत्रालय द्वारा की गयी विभिन्न कार्रवाइयों के चलते एनटीपीसी और विभिन्न राज्यों द्वारा बायोमास की खरीद के लिए पहल की गयी है। एनटीपीसी ने 8,65,000 टन बायोमास पेलेट का ऑर्डर दिया, जिसके लिए आपूर्ति पहले से ही प्रगति पर है। इसके अलावा, एनटीपीसी ने अक्टूबर, 2021 में 65,000 टन का अतिरिक्त ऑर्डर दिया है।

फिलहाल बड़े विलय एवं अधिग्रहण की योजना नहीं: स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज

बिजनेस डेस्क।

स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज लि. (एसटीएल) अभी सक्रिय तरीके से बड़े विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) की तैयारी नहीं कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि यदि किसी 'विशिष्ट क्षमता' को लेकर अधिग्रहण का अवसर मिलता है, तो वह उस पर विचार कर सकती है। स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) मिहिर मोदी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''अभी हमने अपने पोर्टफोलियो में अंतर को भर लिया है। फिलहाल हमारी बड़े और उल्लेखनीय अधिग्रहणों पर नजर नहीं है।'' कंपनी ने हाल में नेटवर्क एकीकरण कंपनी क्लियरकॉम ग्रुप और इटली की ऑप्टिकल इंटरकनेक्ट प्रोडक्ट कंपनी ऑप्टोटेक का अधिग्रहण किया है। मोदी ने कहा, ''यदि कोई विशिष्ट क्षमता से जुड़ा अवसर आता है, तो हम उस पर विचार कर सकते हैं।'' पिछले साल कंपनी ने घोषणा की थी कि वह 2.9 करोड़ यूरो (250 करोड़ रुपये) के उपक्रम मूल्य पर ऑप्टोटेक का अधिग्रहण करेगी। इस साल जुलाई में कंपनी ने 160 करोड़ रुपये के उपक्रम मूल्य पर क्लियरकॉम ग्रुप का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। सितंबर तिमाही में स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज का सालाना आधार पर एकीकृत शुद्ध लाभ 81 प्रतिशत बढ़कर 106 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान कंपनी की आय 30 प्रतिशत बढ़कर 1,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

मैकओएस मोंटेरे अपडेट से यूएसबी हब के साथ कनेक्टिविटी में आ रही है समस्या

सैन फ्रांसिस्को।

मैकओएस मोंटेरे को अपडेट करने वाले कई यूजर्स शिकायत कर रहे हैं कि अपग्रेड के बाद हब और डॉक सहित यूएसबी डिवाइस काम नहीं कर रहे हैं। मैकोज मोंटेरे ऐप्पल के डेस्कटॉप और लैपटॉप ऑपरेटिंग सिस्टम का अगला वर्जन है जो पिछले मैकोज बिग सुर की जगह लेता है। इसे जून में डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2021 में लेटेस्ट ऐप्पल इकोसिस्टम अपडेट के साथ पेश किया गया था। कुछ यूजर्स ने नोट किया कि मैकओएस मोंटेरी विशेष रूप से यूएसबी 3.0 डिवाइस के साथ समस्या आ रही है। कुछ यूजर्स का यूएसबी हब अब बिल्कुल भी काम नहीं कर रहा है, जबकि अन्य के लिए उनके हब के एचडीएमआई और यूएसबी-सी पोर्ट काम कर रहा है। एक यूजर्स ने एप्पल के डेवलपर फोर्म पर लिखा है, मैं मोंटेरे स्थापित करने के बाद से हब के यूएसबी 2.0 या 3.0 पोर्ट के माध्यम से ट्रैकबॉल या कीबोर्ड को हब से कनेक्ट नहीं कर सकता। एक और यूजर्स ने कहा, मेरे यूएसबी-सी हब में इस अपडेट के साथ समस्याएं आ रही हैं। मेरी दूसरी स्क्रीन से जुड़ा एचडीएमआई पोर्ट हब पर काम कर रहा है लेकिन यूएसबी 3 पोर्ट्स में से कोई भी काम नहीं कर रहा है। कुछ मामलों में, यूएसबी हब काम करने लगते हैं, पावर डिलीवरी पोर्ट काम नहीं कर रहा है, जबकि कुछ के लिए बाहरी डिस्प्ले के लिए एडिशनल कनेक्टिविटी काम नहीं कर रहा है।

टी 20 विश्व कप: अफगानिस्तान के गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी, नामीबिया को 62 रन से हराया

दुबई (एजेंसी)।

पाकिस्तान से मिली हार के बाद अफगानिस्तान कमर कस कर नामीबिया के खिलाफ मैदान में उतरी। अफागानिस्तान के तेज गेंदबाजों के सामने नामीबिया की पूरी टीम बिखर गयी। आईसीसी टी20 विश्व कप में नामीबिया के खिलाफ अफगानिस्तान आज का मुकाबला अफागानिस्तान ने जीता। अफगानिस्तन ने नामीबिया के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। वहीं नामीबिया 100 रन भी पूरे नहीं कर सकी। नामीबिया ने 98 रन 9 विकेट खो कर बनाये।

अफगानिस्तान ने अच्छी शुरूआत के बाद मोहम्मद शहजाद के 45 रन की मदद से रविवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो मैच में नामीबिया के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। शहजाद के अलावा टीम के लिये हजरतुल्लाह जजई ने 33, कप्तान मोहम्मद नबी ने नाबाद 32 और असगर अफगान ने 31 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। जजई (33 रन) और शहजाद ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाये 50 रन बनाकर अच्छी शुरूआत की। इस साझेदारी में जजई काफी आक्रामक थे। पर पावरप्ले के अगले ही ओवर में वह जेजे स्मिट का शिकार हो गये। उन्होंने 27 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के जमाये।

रहमनुल्लाह गुरबाज क्रीज पर उतरे और आठ गेंद खेलने के बाद जान निकोल लोफ्टी ईटन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। शहजाद एक एक रन के साथ बीच में शॉट लगाते हुए अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रूबेन ट्रंपलमैन (34 रन देकर दो विकेट) की गेंद को विकेटकीपर के पीछे भेजने के प्रयास में विकेट गंवा बैठे और अर्धशतक से पांच रन से चूक गये। उन्होंने 33 गेंद में तीन चौके और दो छक्के से 45 रन बनाये। अफगानिस्तान ने इस तरह तीसरा विकेट 89 रन के स्कोर पर गंवाया। असगर अफगान के 15वें ओवर में लगाये गये छक्के से अफगानिस्तान से 100 रन पूरे किये। लोफ्टी ईटन (21 रन देकर दो विकेट) की पगबाधा की अपील का रिव्यू लेने के बाद नजीबुल्लाह जदरान (07) पवेलियन लौट गये जो 11 गेंद ही खेल सके थे।

इस मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले अफगान 31 रन बनाकर ट्रंपलमैन का दूसरा शिकार बने। उन्होंने 23 गेंद में तीन चौके और एक छक्का लगाया। जब वह मैदान से पवेलियन की ओर लौट रहे थे तो सभी खिलाड़ियों ने उनसे हाथ मिलाये और मैदान पर अफगानिस्तान के प्रशंसकों ने हाथ से सलामी दी। टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। अंत में मोहम्मद नबी ने 17 गेंद में पांच चौके और एक छक्के से 32 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को सम्मानित किया, एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा

झांसी (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। तीन बार के इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन (आईपीएल) चेन्नई सुपरकिंग्स ने तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को उनकी एतिहासिक उपलब्धि के लिए रविवार को एक करोड़ रुपये का चैक देकर सम्मानित किया। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा को चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड की ओर से यहां एक करोड़ रुपये का चैक सौंपा गया।

यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीएसके ने चोपड़ा के सम्मान में उन्हें 8758 नंबर (तोक्यो में 87.58 मीटर के स्वर्ण पदक के प्रयास के आधार पर) की जर्सी भी सौंपी। चोपड़ा अभिनव बिंद्रा के बाद भारत के सिर्फ दूसरे व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। सीएसके के सीईओ केएस विश्वनाथन ने कहा, ''शानदार उपलब्धि के लिए पूरे देश को नीरज पर गर्व है। ट्रैक एवं फील्ड में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला भारतीय बनकर उन्होंने मापदंड स्थापित किए हैं।''

उन्होंने कहा, ''वह अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। 87.58 की संख्या हमेशा के लिए भारतीय खेलों के इतिहास में दर्ज हो गई है और नीरज को यह विशेष जर्सी सौंपना हमारे लिए सम्मान की बात है।'' पुरस्कार और विशेष जर्सी लेने के बाद 23 साल के चोपड़ा ने कहा कि पिछले दो महीने उनके लिए नई चीजों का अनुभव करने का मौका रहा। उन्होंने सीएसके प्रबंधन को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, ''आपके समर्थन और पुरस्कार के लिए धन्यवाद।

काफी अच्छा लग रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद मुझे इतना प्यार मिलेगा। इसकी उम्मीद नहीं थी और काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। उम्मीद करता हूं कि मैं और कड़ी मेहनत करूंगा और अच्छे नतीजे हासिल करूंगा।'' तोक्यो में सात अगस्त को 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर चोपड़ा ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

राजस्थान रॉयल्स ने बेन स्टोक्स को टीम में आगे भी बनाए रखने के संकेत दिए

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से राजस्थान रॉयल्स ने इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के बेन स्टोक्स की नेट प्रैक्टिस को रिलीज़ करते हुए इसके पुख्ता संकेत दे दिए कि उनकी टीम में कौन बना रह सकता है। राजस्थान रॉयल्स ने नेट्स पर बेन स्टोक्स के वीडियो को री-ट्वीट किया है जिससे संकेत मिलता है कि वो आईपीएल के अगले सीजन में इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी को मैच से पहले बरक़रार रख सकती है।

वीडियो में स्टाइलिश बाएं हाथ के बल्लेबाज को धाराप्रवाह पुल शॉट और ड्राइव शॉट खेलते हुए दिखाया गया है। इससे ये भी साबित होता है कि वह पिछले दिनों फ्रैक्च र के बाद अपनी उंगली की सर्जरी से पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। राजस्थान रॉयल्स ने वीडियो के साथ जो ट्वीट किया उसमें लिखा है, रविवार सेंट (आर) ओके। रॉयल्स परिवार, बेनस्टोक्स 38। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा नहीं की गई है कि लेकिन आठ मौजूदा आईपीएल टीमों के अधिकतम चार खिलाड़ियों को बनाए रखने की संभावना है। दो नई फ्रेंचाइजी - लखनऊ और अहमदाबाद - ड्राफ्ट के माध्यम से बाकी खिलाड़ी पूल से तीन खिलाड़ियों को हासिल करने में सक्षम होंगी। साल ही, 2018 सीजन से पहले पिछली बड़ी नीलामी के विपरीत, संभवत जनवरी 2022 में होने वाली नीलामी के दौरान कोई राइट-टू-मैच कार्ड (आरटीएम) नहीं हो सकता है। वीडियो के सामने आते है रॉयल्स के प्रशंसकों के विचारों की झड़ी लग गई। इनमें से ज्यादातर लोगों का मानना था कि राजस्थान रॉयल्स में स्टोक्स को निश्चित रूप से बनाए रखा जाना चाहिए, जबकि अन्य ने कहा कि जोफा आर्चर, जोस बटलर और संजू सैमसन को अगले सीजन के लिए टीम में होना चाहिए।

टी20 विश्व कप: इंग्लैंड की नजरें सेमीफाइनल पर, श्रीलंका करेगा वापसी की कोशिश

शारजाह (एजेंसी)।

शानदार लय में चल रही इंग्लैंड की टीम आईसीसी टी20 विश्व कप में ग्रुप एक चरण के मुकाबले में सोमवार को यहां जब श्रीलंका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर होगी। इंग्लैंड को टूर्नामेंट में पहले ही खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था और टीम ने अपने शुरुआती तीन मुकाबले उसी अंदाज में खेले है। इसमे शनिवार को चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रभावशाली जीत भी शामिल है।

इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली टीम सभी कमजोर कड़ियों को पूरा करके यहां पहुंची है। उनके पास टीम के खिलाड़ियों का विकल्प भी है लेकिन अभी तक उनके इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ी है। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट की प्रभावशाली जीत के साथ दूसरी टीमों को यह संदेश भी दे दिया की उन्हें खिताब का दावेदार क्यों माना जा रहा है। इंग्लैंड के नॉक आउट चरण में पहुंचे की प्रबल संभावनाओं का एक और कारण सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का शानदार लय है। ऑस्ट्रेलिया के विश्व स्तरीय गेंदबाज उनकी ताबड़तोड़ नाबाद पारी को रोकने में पूरी तरह विफल रहे। इंग्लैंड के लिए चिंता की बात सिर्फ मध्यक्रम की लय है। तीन मैचों में बड़ी जीत के कारण मध्यक्रम को बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिला है लेकिन कप्तान मोर्गन को भरोसा है कि जरूरत के समय ये बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मोर्गन को भले ही बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला हो लेकिन उनकी कप्तानी शानदार रही है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आरोन फिंच की कमजोरी का फायदा उठाने के लिए उन्होंने लेग स्पिनर आदिल राशिद से गेंदबाजी की शुरुआत करायी। इस मैच से पहले मोईन अली यह जिम्मा उठाते थे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी गेंदबाजी की जरूरत नहीं पड़ी। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स नयी गेंद से इस मैच में शानदार थे और क्रिस जॉर्डन ने भी तीन विकेट लेकर लय में आने के संकेत दिये। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ टाइमल मिल्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ थोड़े महंगे थे लेकिन वह पूरे टूर्नामेंट में विकेट लेने में सफल रहे हैं। काम चालऊ स्पिनर लियाम लिविंगस्टोन ने भी टीम के लिए अच्छा काम किया है, जिससे मोर्गन को गेंदबाजी में एक और अच्छा विकल्प मिला है। शारजाह में इंग्लैंड के दबदबे को रोकने के लिए श्रीलंका को कुछ खास करना होगा। श्रीलंकाई खिलाड़ियों की अनुभवहीनता को देखते हुए, टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन को खराब नहीं आका जायेंगा।

भारतीय जीएम इनियान ने सर्बिया में शतरंज टूर्नामेंट जीता

अरानडेलोवाक (सर्बिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान शनिवार को यहां पांचवें रूजना जोरा शतरंज टूर्नामेंट में नौ दौर में सात अंक जुटाकर विजेता रहे। उन्होंने हाल में स्पेन में ए टूर्नामेंट खेला था जिससे वह एक ईएलओ अंक जुटाने में सफल रहे थे। उनकी मौजूदा फिडे रेटिंग 2556 अंक है। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने पांच जीत दर्ज की और चार ड्रा खेले। उन्हें एक भी मैच में हार नहीं मिली। वह दूसरे स्थान पर रहे रूस के मास्टर मकारियान रूडिक से आधा अंक आगे रहे।

मेरे सपने हो रहे साकार: दीपा मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन कर अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस कामयाबी पर खुशी जताते हुए भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की अध्यक्ष दीपा मलिक को लगता है कि उनके सपने साकार हो रहे हैं, क्योंकि पैरा-एथलीटों को भी उनकी खेल की वजह से बराबर सम्मान और प्रशंसा मिल रही है।

टोक्यो पैरालिंपिक 24 अगस्त से 5 सितंबर तक आयोजित किया था, लेकिन पैरा-एथलीटों के प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा में देरी हुई। भारत ने पैरालिंपिक में जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पांच स्वर्ण सहित 19 पदक हासिल किए। इन पदकों के साथ भारत 24वें स्थान रहा, जो अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

इसलिए, स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी पांच पैरा-एथलीटों, प्रमोद भगत (बैडमिंटन), सुमित अंतिल (एथलेटिक्स), अवनी लेखारा (शूटिंग), कृष्णा नगर (बैडमिंटन) और मनीष नरवाल (शूटिंग) को भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए चुना गया है।

वहीं, आठ पैरालिंपियन, योगेश कथुनिया (चक्का फेंक), निषाद कुमार (हाई जम्प), प्रवीण कुमार (हाई जम्प), शरद कुमार (हाई जम्प), सुहास एलवाई (बैडमिंटन), सिंहराज अधाना (शूटिंग), भावना पटेल (टेबल टेनिस)) और हरविंदर सिंह (तीरंदाजी) को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है।

दीपा मलिक ने आईएएनएस को बताया, हमें एक मौका दें

और हम अपनी क्षमता दिखाएंगे। हाल में ही पीएम मोदी और सभी खेल मंत्रियों ने पैरालंपिक में किए शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया। साथ ही पैरा-एथलीटों को सम्मान भी दिया गया। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सपना है जो मैंने तब देखा था जब मैंने 16 साल पहले पैरा-एथलीट के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया था। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने सपने को साकार होते देख रही हूं और मैं भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष के रूप में खुश हूं, मैं बदलाव का एक छोटा सा हिस्सा बन सकती हूं।

बावुमा ने कहा, डिकॉक से जुड़ा विवाद उनके दिमाग में था

शारजाह (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के दौरान तनावपूर्ण क्षणों में क्विंटन डिकॉक के घुटने के बल नहीं बैठने से जुड़ा विवाद उनके दिमाग में था। बावुमा ने अपनी टीम की दूसरी जीत पर राहत की सांस भी ली। डेविड मिलर ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ने वानिंदु हसरंगा की हैट्रिक के बावजूद जीत दर्ज की।

बावुमा ने मैच के बाद कहा, ''पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है, उसे भुलाना काफी मुश्किल है। यह बात दिमाग में थी लेकिन हमें अपने काम पर ध्यान देना था। मैं थोड़ा तनाव में था।'' वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को मैच से कुछ घंटे पहले क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने अचानक निर्देश जारी किया कि सभी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के दौरान प्रत्येक मैच से पहले घुटने के बल बैठना होगा जिससे विवाद खड़ा हो गया। सीनियर बल्लेबाज डिकॉक ने इसका पालन नहीं किया और मैच से हटने का फैसला किया, लेकिन ब्लैक लाइव्स मैटर (बीएलएम) आंदोलन के समर्थन में ऐसा करने की सहमति जताने के बाद वह श्रीलंका के खिलाफ शनिवार के मैच में खेले। मैच के बारे में बावुमा ने कहा कि उन्हें मिलर पर पूरा भरोसा था। उन्होंने कहा, ''डेविड ने लंबे समय से हमारे लिये ऐसी पारी नहीं खेली थी। श्रेय उन्हें जाता है। वह बहुत करारे शॉट जमाते हैं।'' श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने लाहिरू कुमारा को आखिरी ओवर देने के फैसले का बचाव किया जिस पर मिलर ने दो छक्के और कैगिसो रबाडा ने विजयी चौका लगाया। उन्होंने कहा, ''लाहिरू का बचाव करने के लिये मेरे पास पर्याप्त कारण हैं। वह यार्कर करता है और अभ्यास मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया था और इसलिए मैंने उसे गेंद सौंपी। श्रेय दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को जाता है। उन्होंने मैच का बहुत अच्छा अंत किया।

पाकिस्तान जब भारत से खेल रहा था तब वेंटीलेटर पर थी बाबर की मां

कराची। पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम पिछले रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में जब मैच विजेता पारी खेल रहे थे तब उनकी मां वेंटीलेटर (जीवन रक्षक प्रणाली) पर थी। इस बात का खुलासा कप्तान के पिता आजम सिद्दीकी ने शनिवार को किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तब भारत के खिलाफ नाबाद 68 रन की पारी खेली, जबकि उनकी मां को आपरेशन के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाबर के पिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संदेश पोस्ट किया है जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के कप्तान विश्व कप के तीनों मैच में बेहद तनावपूर्ण स्थिति में थे।आजम सिद्दीकी ने इंस्टाग्राम पर लिख, ''यह मेरे देश के लिए कुछ सच्चाई जानने का समय है। तीनों मैचों में जीत पर आप सभी को बधाई। हमारा परिवार एक बड़ी परीक्षा से गुजर रहा था। जिस दिन भारत के खिलाफ मैच था, उस दिन बाबर की मां वेंटिलेटर पर थी।

आस्ट्रेलिया अब भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत अच्छी टीम: आरोन फिंच

दुबई। (एजेंसी)।

कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि आस्ट्रेलिया अब भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत अच्छी टीम है और वे इंग्लैंड से मिली हार का असर टी20 विश्व कप के आगामी मैचों में नहीं पड़ने देंगे। इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 125 रन पर समेट दिया था और फिर यह लक्ष्य 11.4 ओवर में हासिल कर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। अब आस्ट्रेलिया का सामना चार नवंबर को बांग्लादेश और छह नवंबर को वेस्टइंडीज से होगा। फिंच ने कहा कि वे सुपर 12 के अंतिम दो मैचों में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकते। फिंच ने शनिवार को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हमारे पास तरोताजा होकर फिर से ऊर्जावान होने के लिये कुछ दिन हैं।

श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद आज यह काफी तेज बदलाव रहा। ग्रुप में काफी अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। मैं इस बारे में चिंतित नहीं हूं कि हम इस मैच में मिली हार का असर एक अलग मैच में और पूरी तरह से अलग टीम पर पड़ने देंगे।'' उन्होंने कहा, ''इन मैचों में हमें निश्चित रूप से जीत दर्ज करनी होगी। मुझे लगता है कि नेट रन रेट पर आज के मैच का काफी खराब असर पड़ा। इसलिये हमें फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ करना होगा।'' फिंच ने कहा, ''बांग्लदेश की टीम भी काफी अच्छी है और वेस्टइंडीज की टीम में भी काफी अनुभव है इसलिये अब हमारे लिये दोनों मैचों में जीत हासिल करना जरूरी है। लेकिन हम इसके लिये तैयार हैं।'

आस्ट्रेलिया ने शुरूआती दो मैचों में दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को मात दी थी लेकिन तीसरे मैच में उसे इंग्लैंड से हार मिली। टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, भारत और इंग्लैंड से लगातार पांच श्रृंखलायें गंवायी थीं। फिंच ने कहा, ''हम दुनिया की नंबर एक टीम थे, इसमें ज्यादा लंबा समय नहीं हुआ है इसलिये मुझे अब भी लगता है कि हम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत अच्छी टीम हैं।

अफगानिस्तान के बल्लेबाज असगर अफगान नामीबिया मैच के बाद संन्यास लेंगे

अबुधाबी। अफगानिस्तान के सीनियर बल्लेबाज असगर अफगान रविवार को यहां नामीबिया के खिलाफ अपनी टीम के टी20 विश्व कप सुपर 12 मैच के बाद खेल क सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को अपने ट्विटर हैंडल पर इसकी घोषणा की। बोर्ड ने लिखा, ''अफगानिस्ता के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है।

३००० से अधिक कारखानों में १५-२० दिनों के लिए छुट्टी होंगी

अहमदाबाद।

कच्चे माल की कीमतों में तेज वृद्धि और कमी के कारण अहमदाबाद और उसके आसपास ५,००० फाउंड्री और इंजीनियरिंग इकाइयां नवंबर से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए उत्पादन बंद करने की तैयारी कर रही हैं। उद्योग संघ के अधिकारियों ने कहा कि राजकोट, जामनगर और राज्य के अन्य हिस्सों में फाउंड्री और इंजीनियरिंग इकाइयां कच्चे माल की बढ़ती लागत के बीच भी इसी तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं। अहमदाबाद के आसपास कुल १,२०० फाउंड्री इकाइयाँ और छोटे, मध्यम और बड़े आकार की १०,००० इंजीनियरिंग इकाइयाँ हैं। उन्होंने कहा, ''कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ इसकी उपलब्धता के कारण उत्पादन अधिक महंगा होता जा रहा है। हमारी कुछ सदस्य इकाइयों ने स्वेच्छा से उत्पादन को १५ से २० दिनों के लिए बंद करने और दिवाली की छुट्टी बढ़ाने का फैसला किया है। आम तौर पर दिवाली पर हमारी इकाइयां २-३ दिनों के लिए बंद रहती हैं। यह बात अहमदाबाद इंजीनियरिंग मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक पटेल ने कही। पटेल ने कहा, हमें उम्मीद है कि लगभग २,००० इकाइयां - १,२०० फाउंड्री और २,५०० इंजीनियरिंग इकाइयां - इस स्वैच्छिक बंद में चलेंगी। इनमें से लगभग १५% इकाइयां पहले ही बंद हो चुकी हैं और अगले कुछ दिनों में और अधिक होने की उम्मीद है।'' कीमतों में वृद्धि के बारे में बात करते हुए पटेल ने कहा कि पिछले आठ महीनों में पिग आयरन की कीमत ३०-३ रुपये प्रति किलो से बढ़कर २१-७ रुपये प्रति किलो हो गई है, जबकि कोयले की कीमत ४ रुपये प्रति किलो हो गई है। ५ रुपये प्रति किलो। दो महीने में, यह ५ रुपये प्रति किलो हो गया है। ''हमारे आपूर्तिकर्ताओं ने क्रेडिट पर कच्चे माल की आपूर्ति बंद कर दी है। कास्टिंग का उपयोग उद्योगों में मशीनरी के लिए भागों को बनाने के लिए किया जाता है। उद्योग में अन्य निर्माताओं के अनुसार इंजीनियरिंग इकाइयों को इतनी अधिक कीमत पर कास्टिंग प्राप्त करना मुश्किल हो रहा है क्योंकि वे स्टील, तांबे और अन्य कच्चे माल का उपयोग करते हैं। कमोडिटी की कीमतों में भी वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है।, कास्टिंग उत्पादन २०% तक कम हो गया है। पटेल ने कहा, ''जब कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि असहनीय होती है और कारोबार में मंदी होती है, तो इकाइयों को कुछ समय के लिए बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है।'' राजकोट, वडोदरा, जामनगर और राज्य के अन्य हिस्सों में भी यही स्थिति है। राजकोट इंजीनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष परेश वासनी से संपर्क करते हुए उन्होंने कहा कि कोयले की कमी और कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण, कई इकाइयां १०-१२ दिन की दिवाली छुट्टी पर विचार कर रही थीं। हालांकि, उत्पादन बंद करने का निर्णय अलग-अलग इकाइयों पर छोड़ दिया गया है और एसोसिएशन के स्तर पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

सूरत।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 146वी जन्मजयंती पर गुर्जर देवसेना गुजरात प्रदेश ओर श्रीनाथ चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष हरीश भाई गुर्जर की तरफ से फ्री वेक्सिनेशन का कार्यक्रम रखा गया जहां अश्वनीकुमार ओर आस पास के लोगों ने इस कार्यक्रम का लाभ लिया। गौरतलब है कि पिछले 30-35साल से वराछा शेत्र तथा आसपास के इलाकों में गुर्जर देवसेना के गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष हरीश भाई गुर्जर जो गुर्जर समाज से आते हैं वह लोगों की और खास कर वराछा शेत्र में निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। गणेश विसर्जन हो या फिर शहर में कोई आपदा आए उस वक्त भी हरीश भाई गुर्जर अपनें कार्यकर्ताओं के साथ तन मन धन से सेवा भावी कार्य में जुट जाते हैं। वराछा शेत्र में निस्वार्थ भाव से सेवा भावी कार्य करने के लिए जाने जाते हरीश भाई गुर्जर जी की भूरी भूरी प्रशानसा हमेशा स्थानिय लोगों द्वारा की जाती हैं।

सबसे छोटी उम्र के ब्रेइनडेड बच्चे के हाथों का दान

सूरत।

डायमंड और टेक्सटाइल सिटी सूरत अब ऑर्गन सिटी के नाम पर प्रसिद्ध हो रहा है। सूरत में अब सबसे छोटी उम्र के बच्चे के दोनों हाथों का दान करके पोने दो घंटे में प्लेन में मुंबई पहुंचाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार १४ वर्षीय धार्मिक काकडिया को ब्रेइनडेड घोषित किए जाने पर परिवार ने इसका हार्ट, फेफड़ा, आंख, लीवर और दोनों हाथों का दान करके ६ व्यक्तियों को नयाजीवन दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सूरत में हृदय के दान की ३७वीं और फेफड़े के दान की ११वीं घटना है। सूरत शहर पुलिस के सहयोग से हाथ, हृदय और फेफड़े समय पर मुंबई, चेन्नई और अहमदाबाद पहुंचान के लिए पहली बार एक ही दिन में तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। सूरत की किरण अस्पताल से मुंबई की २९२ किमी की दूरी १०५ मिनट में पार करके दोनों हाथ का ट्रांसप्लांट पुना के ३२ वर्षीय व्यक्ति में मुंबई की ग्लोबल अस्पताल में किया गया। जबकि हार्ट का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद की सीम्स अस्पताल में कक्षा-११ में पढ़ते जूनागढ़ के १५ वर्षीय विद्यार्थी में चालू किया गया। इसके अलावा फेफड़े का ट्रांसप्लांट आंध्रप्रदेश के ४४ वर्षीय व्यक्ति में चेन्नई की एमजीएम अस्पताल में किया गया। अब लीवर का ट्रांसप्लांट पाटण के ३५ वर्षीय व्यक्ति में अहमदाबाद की जायडस अस्पताल में किया गया। हालांकि, आंखों का ट्रांसप्लांट सूरत की किरण अस्पताल में किया गया। इस तरह धार्मिक ने जाते-जाते एक साथ ६ लोगों को नयाजीवन दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सूरत के कतारगांव में रहते और कक्षा-१० में पढ़ाई करता १४ वर्षीय धार्मिक को २७ अक्टूबर को उल्टी तथा ब्लड प्रेशर बढ़ जाने की वजह से किरण अस्पताल में भर्ती कराया गया। निदान के लिए सीटी स्केन कराने पर ब्रेइन हेमरेज की वजह से दिमाग में ब्लड का गठ्ठा जम गये होने का और सूजन होने का निदान हुआ। जिसकी वजह से न्युरोसज न द्वारा क्रेनीयोटोमी करके दिमाग में जमा ब्लड का गठ्ठा और सूजन दूर किया गया। हालांकि, शुक्रवार को धार्मिक को ब्रेनडेड घोषित करने पर डोनेट लाइट की टीम ने अस्पताल पहुंचकर धार्मिक के परिजनों को अंगदान का महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया बताई थी।

बच्चा बदल जाने के आरोप के साथ परिवार द्वारा हंगामा

वडोदरा।

शहर की सयाजी अस्पताल में नवजात बच्चा बदल जाने के आरोप के साथ परिवार ने हंगामा किया। मिली जानकारी के अनुसार डीलिवरी के लिए भर्ती हुई मां का नवजात बच्चा बदल जाने का परिवार द्वारा आरोप लगाया गया है। परिवार ने डीएनए टेस्ट कराने की मांग के साथ पुलिस की मदद ली है। जबकि दूसरी तरफ अस्पताल प्रशासन ने आरोप को गलत बताया है। पूरे मामले में आगे की जांच चल रही होने की जानकारी मिली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नवायार्ड में रहते महेन्द्रभाई राजाराम मल्ला की पत्नी शकुंतलाबहन को डीलिवरी पेइन होने पर उनको पहले एक निजी अस्पताल में भेजा गया। जहां खर्च ज्यादा होने से उनको सयाजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में पति महेन्द्र भाई के बताये अनुसार पत्नी को डीलिवरी के लिए ऑपरेशन थियेटर में ले जाने के कुछ देर के बाद ३ महिलाओं और सिक्योरिटी जवान ने लड़के का जन्म हुए होने का बताया। हालांकि, आधे घंटे के बाद अस्पताल के स्टाफ ने लड़की का जन्म हुए होने का बताया था। जिसकी वजह से हमे हमारा बच्चा बदल जाने की आशंका होने पर पुलिस की मदद ली है। पांचवीं बच्ची को जन्म देने वाली शकुंतलाबहन-पांचमी बालकोने जन्म आपनार शकुंतलाबेन के पति

महेन्द्रभाई मल्ला ने इस मामले में आरोप लगाया है कि, अस्पताल में बच्चे की अदला-बदली हुई है। जिसकी वजह से बच्चा किसका है यह मालूम करने के लिए डीएनए टेस्ट किया जाए। दूसरी तरफ परिवार द्वारा हंगामा किए जाने पर अस्पताल विभाग घटनास्थल पर पहुंच गया और मामले को शांत कराने का प्रयास किया गया। अस्पताल विभाग ने परिवार का बच्चा बदले जाने के आरोप को खारिज कर दिया है। स्त्रीरोग विभाग की प्रमुख के बताये अनुसार बच्चा बदल जाने का आरोप बेबुनियाद है। महिला की डीलिवरी के एक घंटे पहले और एक घंटे बाद समय में किसी महिला को लड़का का जन्म नहीं हुआ है।

श्री सहस्त्रफना पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत

सूरत भूमि, सूरत।

आज एक जैन संस्था द्वारा 500 से अधिक निराश्रित परिवारों को भोजन किट का वितरण किया गया। किट में गेहूं, चावल, बाजरा, दाल, तेल, नमक, मिर्च, चाय-खड़ी, गुड़ आदि थे। उल्लेखनीय है कि संस्था पिछले पंद्रह वर्षों से हर महीने 800 से अधिक ऐसे परिवारों को भोजन किट वितरित कर रही है। संगठन सूरत के किसी भी व्यक्ति या परिवार को भूखा न छोड़ने के एकमात्र उद्देश्य के साथ काम कर रहा है। आज की योजना में परम पूज्य भक्तियोगचय: श्री यशोविजयजी म. सा. के शिष्य श्री श्रुतरत्नविजयजी महाराज साहेब की आगेवानी में प्राप्त हुई।

टाउन प्लानिंग योजना में केमिकल प्लांट के लिए अब दीवाली के बाद नई टाउन प्लानिंग गाइडलाइन

अहमदाबाद।

राज्य में पहली बार ८ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का और १५६ नगरपालिका के डेवलोपमेंट प्लान और टाउन प्लानिंग योजना में केमिकल प्लांट के लिए प्रावधानों को हटाने के लिए संपूर्ण गाइडलाइन दीवाली के कुछ सप्ताह के बाद राज्य के शहरी विकास विभाग द्वारा जारी किया जाएगा। राज्य के शहरी विकास विभाग ने इसके लिए पहले से ही गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से केमिकल इकाई के प्रकारों की सूची मांगी है। जो नई आगामी गाइडलाइन में शामिल किया जाएगा। यह इकाई खतरनाक रसायन पैदा करती हो, ज हरीली कचरे का निपटारा करते हो या खतरनाक औद्योगिक हवा बाहर निकालती चीमनी वाले होने चाहिए। इसका शामिल यह लिस्ट में किया जाएगा। गत वर्ष जुलाई में विजय रुपाणी सरकार ने इस दिशा में चर्चा शुरू की थी। फिलहाल के उद्योगों को शहर की बाहर नए निश्चित स्थलों पर शिफ्ट होने के लिए टैक्स और राहत के रूप में प्रोत्साहन दिया जाएगा। नई विकास योजनाओं और टीपी स्कीम यह सुनिश्चित करेगी कि शहरों की लिमिट में ऐसे कोई भी औद्योगिक यूनिट नहीं हो जो पानी अधिनियम, १९७४, एयर एक्ट, १९८१ और एन्वायरोन्मेंट (प्रोटेक्शन) एक्ट, १९८६ की प्रावधान संभवित रूप से प्रदूषित या उल्लंघन करते हो। यह राज्य के शहरी विकास विभाग के एक उच्च सुत्र ने बताया। अधिकारी ने आगे बताया है कि, आज उद्योग शहरों की मध्यम में कार्यरत है, जो प्रदूषण नियंत्रण के लिए लिया जाता कदम और एक तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य पर असर करता है। शहरी विकास विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम नये डीपी के लिए गाइडलाइन तैयार करने में मदद करने के लिए हाल के टाउन प्लानिंग एक्ट में संशोधन की पेशकश

की है। शहर की मध्य में स्थित हाल के उद्योगों में से प्रदूषित उद्योगों को शहरों के बाहर भेज ने के लिए आकर्षक प्रोत्साहन देने के लिए राजस्व, कानून, उद्योगों और खनिज और वित्त विभागों के साथ बातचीत कर रहे है। अब शहर की सीमा में जमीन की उपलब्धता सरकारी एजेंसियों को भी मदद करेगी, क्योंकि कम खर्च होगा। यह जमीन के प्लॉट का उपयोग मुख्य क्षेत्रों में एफोर्डेबल हाउसिंग और कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए भी मुनाफाकारक तरीके से हो सकता है। यह सूत्र ने बताया है।

सीएम बनने के बाद पहली बार विदेश दौरे पर जाएंगे भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर।

एक ओर, प्रधान मंत्री रोम के दौरे पर हैं और यहां वे २० देशों के प्रमुख नेताओं के साथ गर्मजोशी से बैठक कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के स्वभाव और लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने की उनकी क्षमता के कारण उन्हें विश्व के कई नेताओं के साथ वर्षों पुरानी मित्रता के रूप में देखा जाता है।इसके अलावा, अन्य देशों के नेता भी प्रधानमंत्री मोदी से उत्साह के साथ मिल रहे हैं। इन सबके बीच खबर है कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी विदेश दौरे पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल दुबई के दौरे पर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री दिसंबर में दुबई के लिए रवाना हो रहे हैं। साथ में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल पंकज जैशी, राजीव गुप्ता और अवंतिका सिंह हैं। वे कीमतों को आकर्षित करने और निवेशकों को गुजरात में आकर्षित करने के लिए दुबई में दुबई एक्सपो में जा रहे हैं। भूपेंद्र पटेल छह और सात दिसंबर को विदेश दौरे पर जा रहे हैं। अगले साल की शुरुआत में १० से १२ ज नवरी तक गुजरात में होने वाले वाइब्रेंट समिट से पहले सीएम भूपेंद्र पटेल दुबई एक्सपो में हिस्सा लेने जा रहे हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भूपेंद्र पटेल निवेशकों को आकर्षित करने के लिए दुबई में एक रोड शो आयोजित करने की भी योजना बना रहे हैं। दुबई में भारत का पवेलियन भी बनाया गया है जहां भारत में अलग-अलग जगहों पर निवेश करने के लिए अलग-अलग राज्यों के अधिकारियों के स्टॉल लगाए गए हैं। ताकि दूसरे देशों में निवेश करने में रुचि रखने वाले देश या कंपनियां निवेश संबंधी विचारों पर चर्चा कर सकें। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गुजरात के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री के रूप में भूपेंद्र पटेल भी इस दिशा में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे क्योंकि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा प्रधान मंत्री मोदी के मेक इन इंडिया सपने को साकार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि वह राज्य के मुख्य सचिव सहित अधिकारियों को उचित निर्देश और मार्गदर्शन देने के लिए दुबई जा रहे हैं। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल उन्हें वाइब्रेंट समिट के दौरान गुजरात में निवेश करने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं यदि कोई देश गुजरात में निवेश करने को इच्छुक है।

लीलावती ट्रस्ट में तीन करोड़ की लूट मामले में प्राथमिकी दर्ज

पालनपुर।

बनासकांठा जिले में पालनपुर मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा पालनपुर के लीलावती अस्पताल में एक तिजोरी से २ करोड़ रुपये के हीरे, आभूषण और अन्य कीमती सामान की लूट के मामले में २०१२ में पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने के बाद, पालनपुर पुलिस ने आखिरकार मामला दर्ज कर लिया है. १२ लोगों के खिलाफ केस यहां उल्लेखनीय है कि लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट के मूल ट्रस्टी प्रशांत मेहता, जो मुंबई और पालनपुर में लीलावती अस्पताल का मालिक है और संचालित करता है, ने आखिरकार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है क्योंकि पालनपुर पुलिस लूट के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में विफल रही है। शिकायत में कई बड़े कारोबारियों और उद्योगपतियों के नाम हैं। पालनपुर द्वितीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, पायल गोस्वामी ने पुलिस को फटकार लगाई और ४ अक्टूबर को पालनपुर सिटी ईस्ट पुलिस स्टेशन को प्रशांत मेहता की शिकायत के आधार पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १६ (२) के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया. मजिस्ट्रेट ने पुलिस को रिट याचिका (आपराधिक) संख्या ३/२००८ में ललिता कुमारी के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और प्राथमिकी की उचित जांच करने का भी निर्देश दिया। मेहता ने कहा, 'हमने शुरू से ही कहा है कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हमें खुशी है कि माननीय न्यायालय ने पालनपुर पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। अब हमें उम्मीद है कि पुलिस निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच करेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी. पालनपुर के लीलावती अस्पताल में मणिभवन के तहखाने से बड़ौदा के महाराजा के संग्रह से हीरे, आभूषण, चांदी के बर्तन, फैंसी हीरे और अन्य सामान सहित २ करोड़ रुपये का सामान लूट लिया गया. अपनी प्राचीनता के कारण ये सभी वस्तुएँ न केवल अत्यंत मूल्यवान हैं बल्कि अमूल्य भी हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)